सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 249 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 16 अक्टूबर, 2024
मूल्य ₹ 3/-

विश्वास को हमेशा तर्क से तौलना चाहिए। जब विश्वास अंधा हो जाता है तो मर जाता है।

-महात्मा गांधी

इंग्लैंड को हराकर अंतिम-4 में पहुंची... 7 | फिर बजा चुनावी बिगुल, सियासी... 3 | यूपी उपचुनाव की तैयारी में सपा... 2

बहराइच में दंगाइयों ने महिलाओं और बच्चों को भी नहीं बख्शा

4PM की ग्राउंड रिपोर्ट होश उड़ा देगी!

- क्या प्रशासन रोक नहीं सकता था इस दंगे को!
- किसकी थी साजिश बहराइच को जलाने की!
- कौन लगाना चाहता है यूपी में आग
- घरों व दुकानों को फूंक डाला
- डर के साये में रहने को मजबूर हुए लोग
- पुलिस की मौन से लोगों में दहशत

क्षितिज कांत/4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बहराइच। आखों में दंगाईयों का डर! थोड़ी सी आहट पर सहमें हुए लोग ! पल-पल यह सोचते हुए दरवाजों की ओट में छिपने की कोशिश करते हुए मासूम बच्चे व असहाय महिलाएं कि कहीं से कोई दंगाई आए और उनको नुकसान पहुंचा दे। हम बात कर रहे हैं यूपी के जिला बहराइच का जहां एक युवक की हत्या के बाद भगवा ब्रिगेड से जुड़े उपद्रवियों ने कई दुकानों व घरों को आग लगा दिया। इन सबके बीच पुलिस मूक बनी रही। हालांकि लोगों की सूझबूझ से दंगा ज्यादा बड़ा न हो सका।

हांलांकि थोड़े ही समय में इन दंगाइयों ने कई घरों व लोगों के कारोबार को बर्बाद कर दिया। दहशत का माहौल ऐसा है कि मुस्लिम घर छोड़कर भाग गए हैं, गेट पर ताला लगा है। कुछ घर खुले हैं, लेकिन अंदर कोई नहीं हैं। पुलिस ने आसपास के 20 गांवों की पहचान की है। शक है कि उपद्रवी इन्हीं गांवों से आए थे। 'हमारा सब कुछ बर्बाद हो गया। घर में 50 हजार रुपए रखे थे, दंगाई लूट ले गए। बच्चों के कपड़े, खाने-पीने का सामान जला दिया। हम उनके सामने गिड़गिड़ा रहे थे, लेकिन वे लोग कमरों में घुस-घुसकर आग लगाते रहे। बच्चों के साथ घर की दीवार से सटकर बैठीं आसमां ये बात कहते हुए रोने लगती हैं। 14 अक्टूबर को बहराइच में भड़की हिंसा आसमां के गांव कबिरहन पुरवा तक भी पहुंची थी। 500 से ज्यादा उपद्रवी गांव में घुसे और घरों में आग लगा दी। हिंसा की शुरुआत बहराइच से करीब 40 किमी दूर महाराजगंज कस्बे से हुई थी। कबिरहन पुरवा गांव महराजगंज से सटा है।

फोटो :4 पीएम

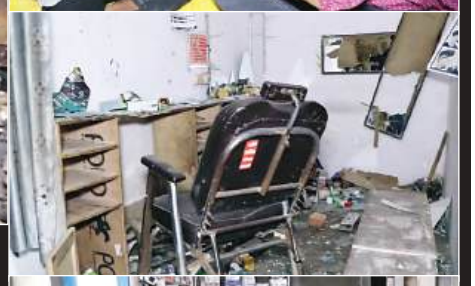

हिंसा की आड़ में माहौल बिगाड़ने की साजिश : पुलिस

बहराइच में रविवार को सांप्रदायिक हिंसा भड़कने के बाद प्रदेश का माहौल बिगाड़ने की साजिश के अहम सुराग हाथ लगे हैं। सोशल मीडिया पर कई अकाउंट्स के जरिये वीडियो और भड़काऊ बातें प्रवाहित की जाने लगीं। इनमें जुलूस में शामिल लोगों को समुदाय विशेष के घरों में हमले का दोषी ठहराया गया। यह मामला देखते-ही-देखते देश भर में सुर्खियों में आ गया। इसकी वजह से कई अन्य शहरों में भी

माहौल बिगड़ने से रोकने के लिए प्रशासन को इंटरनेट सेवाएं बंद करने का एहतियाती कदम उठाना पड़ा। पुलिस सांप्रदायिक हिंसा के अलावा वारदात से जुड़े हर पहलू की गहनता से जांच कर रही है, जिसमें सोशल मीडिया पर माहौल बिगाड़ने की साजिश भी शामिल है। मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर एडीजी कानून-व्यवस्था अमिताभ यश ने बहराइच जाकर हालात पर नियंत्रण किया। इसकी वजह से सोमवार दोपहर के बाद किसी भी इलाके में कोई अप्रिय घटना सामने नहीं आई। हालात सामान्य होने पर एडीजी मंगलवार देर शाम राजधानी वापस आ गए। वह बुधवार को अपनी रिपोर्ट डीजीपी को सौंपेंगे, जिसके तथ्यों के बारे में मुख्यमंत्री को अवगत कराया जाएगा।

4पीएम की टीम को ग्रामीणों ने रोका मांगा आधार कार्ड

रास्ते में 4पीएम मीडिया टीम की गाड़ी को कुछ ग्रामीणों ने रुकवाया और गाड़ी पर मौजूद ड्राइवर कैमरा मैन और रिपोर्टर का आधार कार्ड मांगा, फिर ग्रामीणों ने प्रश्न किया आप किस समुदाय से हैं तो 4पीएम टीम की तरफ से जवाब दिया गया मीडिया से है, तो उधर से बोला गया कि मीडिया नहीं पूछा, हिन्दू हो या मुसलमान? तब टीम ने जवाब दिया गाड़ी पर सब हिन्दू हैं। फिर उधर से बोला गया जय श्री राम बोलो फिर जाने दिया जायेगा। टीम के तरफ से जय श्री राम हुआ फिर वहां पर मौजूद ग्रामीणों ने गाड़ी को आगे जाने दिया। कुछ ग्रामीणों का कहना था अगर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आरोपियों पर एनकाउंटर के साथ बुल्डोजर की कार्यवाही नहीं की तो हालात बद से बदतर होंगे दंगा और भड़केगा।

महाराजगंज में 80 प्रतिशत घर मुसलमानों के

करीब 6 हजार आबादी वाले महाराजगंज में 80 प्रतिशत घर मुसलमानों के हैं। यहां दो दिन से सन्नाटा पसरा है। 13 अक्टूबर, 2024 को कस्बे में प्रतिमा विसर्जन का जुलूस निकला था। इसी दौरान सांप्रदायिक हिंसा भड़क गई। जुलूस में शामिल एक युवक की मौत से माहौल और बिगड़ गया। इसके बाद से हर गली में 10-10 पुलिसवाले तैनात हैं। बाजार में जली दुकानें, शोरूम, घर और गाड़ियां दिख रही हैं।

दो दिन बाद बहराइच शांत तनाव बरकरार

हिंसा की आग में दो दिन धधकने के बाद बहराइच में तीसरे दिन पूरी तरह शांति रही। हालांकि लोगों में दहशत और तनाव कायम है। पूरे नगर में पुलिस और पीएसी मुस्तैद रही। अधिकारी गश्त करते रहे। दोपहर बाद दुकानें भी खुलीं। इस बीच एहतियातन इंटरनेट सेवा बाधित रखी गई है।

डीजे पर चल रहे गानों की वजह से माहौल गरमाया

घर की छत पर लगा धार्मिक झंडा हटाने से शुरू हुआ बवाल महाराजगंज के बीचोबीच एक मस्जिद है। इसके सामने लोकल मार्केट है। हिंसा की शुरुआत इसी जगह से हुई थी। रविवार शाम करीब 5: 30 बजे वाली नमाज अदा करने के लिए लोग मस्जिद में आना शुरू हुए थे। उसी वक्त डीजे का शोर होने लगा। 100 से ज्यादा लोग ट्रैक्टर पर देवी प्रतिमा लेकर विसर्जन के लिए जा रहे थे। हाथों में भगवा झंडे लिए भीड़ मस्जिद के सामने पहुंची। डीजे पर चल रहे गानों की वजह से माहौल गरमा गया। बहसबाजी शुरू हो गई।

यूपी उपचुनाव की तैयारी में सपा ने सबको पछाड़ा

अन्य पार्टियों ने भी कसी कमर, टिकट घोषित करने में सपा प्रमुख सबसे आगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश की 10 विधानसभा सीटों पर होने वाले उप चुनाव का कार्यक्रम जारी होने के साथ ही चुनावी जंग के लिए सभी सियासी दलों में हलचल तेज हो गई है। तैयारी व सीटों पर प्रत्याशी घोषित करने के मामले में सपा ने सबको पीछे छोड़ दिया है। हालांकि चुनाव की अधिसूचना जारी होने से पहले ही भाजपा, सपा और बसपा ने अपनी-अपनी तैयारियां शुरू कर दी थी जबकि इंडिया गठबंधन में सीटों के बंटवारे पर असमंजस से कांग्रेस दोराहे पर खड़ी दिख रही है।

सपा तो पांच सीटों पर प्रत्याशी भी घोषित कर चुकी है। यूपी में विधानसभा की 10 में से नौ सीटों पर उपचुनाव की घोषणा कर दी गई है। अयोध्या जिले की मिल्कीपुर सीट पर अभी उपचुनाव नहीं होगा। नौ सीटों पर उपचुनाव के लिए मतदान 13 नवंबर को जबकि मतगणना 23 नवंबर को होगी। यूपी में करहल (मैनपुरी), सीसामऊ (कानपुर), मिल्कीपुर (अयोध्या), कटेहरी (अंबेडकरनगर), कुंदरकी (मुरादाबाद), खैर (अलीगढ़), गाजियाबाद, फूलपुर (प्रयागराज), मझवा (मिर्जापुर) और मीरापुर (मुजफ्फरनगर) पर उपचुनाव होने हैं। सीसामऊ सीट सपा विधायक इरफान सोलंकी को सजा होने से रिक्त हुई है जबकि 9 विधायक, लोकसभा सदस्य बन चुके हैं।

भाजपा: पार्टी व संगठन तैयार, प्रत्याशी का इंतजार

विधानसभा उप चुनाव का बिगुल बजने के साथ ही भाजपा अगले चरण की चुनावी तैयारी में जुट गई है। सरकार और संगठन ने पहले चरण की तैयारी काफी पहले पूरी कर चुकी है । पार्टी की तैयारियों के लिहाज से देखा जाए तो सरकार और संगठन ने मिलकर प्रदेश की सभी 10 सीटों पर राजोगार मेला, जनसभा, बूथ प्रबंधन समेत सभी तैयारियों क पूरी कर चुकी है। प्रत्याशियों के चयन की प्रक्रिया भी अंतिम चरण में हैं। प्रदेश संगठन की ओर से हर सीट के लिए तीन-तीन नाम का पैनल केन्द्रीय नेतृत्व को भेजा जा चुका है। संभावना है कि जल्द ही केन्द्रीय चुनाव समिति की बैठक होने वाली है। इसलिए माना जा रहा है कि एक-दो दिन में भाजपा भी प्रत्याशियों की सूची जारी कर देगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खुद उप चुनाव की जिम्मेदारी खुद के कंधों पर ले रखी है और उन्होंने अब तक सभी 10 सीटों पर दो से चार बार चक्कर लगा चुके हैं। हर सीट की तीन-तीन मंत्रियों को जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा सीएम, दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक, प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी और महामंत्री संगठन धर्मपाल ने भी दो-दो सीटों का प्रभार ले रखा है ।

मिल्कीपुर समेत छह सीटों पर सपा घोषित कर चुकी है प्रत्याशी

प्रदेश की नौ विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए समाजवादी पार्टी सबसे पहले अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर चुकी है। पार्टी मिल्कीपुर समेत छह सीटों पर अपने प्रत्याशी उतार चुकी हैं, हालांकि फिलहाल मिल्कीपुर का चुनाव टल गया है। यदि कांग्रेस से सीटों के बंटवारे पर सहमति नहीं बनी तो सपा बाकी चार सीटों पर भी अपने प्रत्याशी घोषित कर सकती है। हालांकि कांग्रेस को दो सीट देने पर बातचीत का दौर जारी है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के सांसद बनने के बाद रिक्त हुई मैनपुरी की करहल विधानसभा सीट पर पूर्व सांसद तेज प्रताप यादव को प्रत्याशी घोषित किया है। इसी तरह सीसामऊ सीट से सपा विधायक इरफान सोलंकी की सदस्यता समाप्त होने की वजह से रिक्त हुई सीट पर उनकी पत्नी नसीम सोलंकी को टिकट दिया है। इसके अलावा फूलपुर से मुस्तफा सिद्दीकी, कटेहरी से शोभावती वर्मा और मझवां सीट से डॉ. ज्योति बिंद को प्रत्याशी बनाया है।

बची सीटों पर लगी कांग्रेस की नजर

प्रदेश की नौ विधानसभा क्षेत्रों में होने वाले उपचुनाव में पांच सीटों पर सपा उम्मीदवार उतार चुकी है। अब कांग्रेस गठबंधन धर्म निभाने की दुहाई देते हुए बची चार सीटों पर निगाह लगाए हुए हैं। उसे उम्मीद है कि कम से कम दो सीटें उसे मिल सकती है। विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस ने मझवां, फूलपुर, गाजियाबाद, खैर, कुंदरकी और मीरापुर सीट पर दावा किया था। सपा ने मझवां, फूलपुर सहित पांच सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है। ऐसे में अब कांग्रेस गठबंधन धर्म निभाने की दुहाई दे रही है। साथ ही बाकी बची चार सीटों में से कुछ सीटों मिलने की बात कह रही है। कांग्रेस को उम्मीद है कि उसे कम से कम दो सीटें मिल सकती हैं। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का कहना है कि उन्होंने पांच सीटों पर प्रस्ताव भेजा था।

बसपा में सीटों के प्रभारी जुटे

बहुजन समाज पार्टी बीते तीन माह से उपचुनाव की तैयारियों में जुटी है। पार्टी ने सभी 10 सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए प्रभारी नियुक्त कर दिए हैं, जिन्हें अब उपचुनाव की तारीख की घोषणा के बाद प्रत्याशी बना दिया जाएगा। बता दें कि बसपा ने लोकसभा चुनाव के दौरान 5 सीटों पर हुए उपचुनाव में भी अपने प्रत्याशी उतारे थे। अपने अस्तित्व को बचाने को जूझ रही बसपा आगामी उपचुनाव में पूरी दमदारी के साथ उतरने जा रही है ताकि उसके हिस्से में भी कुछ सीटें आ सकें। जल्द ही बसपा सुप्रीमो मायावती इस संबंध में अहम घोषणा कर सकती हैं।

पूर्व विधायक गोरखनाथ बाबा के अधिवक्ता वापस लेंगे याचिका

2022 विधानसभा चुनावों के नतीजों को लेकर इलाहाबाद उच्च न्यायालय में दाखिल याचिका की वजह से चुनाव आयोग अधिसूचना में अयोध्या के मिल्कीपुर विधानसभा में उपचुनाव की घोषणा नहीं की गई। 2022 विधानसभा चुनाव प्रक्रिया में सपा प्रत्याशी के दस्तावेजों में कानूनी चूक को लेकर इलाहाबाद उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल की गई थी।

नौ जिलों में आचार संहिता लागू

विधानसभा उपचुनाव वाले यूपी के 9 जिलों में आचार संहिता लागू हो गई है। इन सीटों के लिए 18 अक्तूबर को निर्वाचन की अधिसूचना जारी होगी। अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी चंद्रशेखर ने बताया कि आदर्श आचार संहिता के उबबंध मुजफ्फरनगर, मुरादाबाद, गाजियाबाद, अलीगढ़, मैनपुरी, कानपुर नगर, प्रयागराज, अंबेडकरनगर और मिर्जापुर में लागू हो गए हैं। यहां बता दें कि राज्य राजधानी क्षेत्र और नगर निगम क्षेत्र की विधानसभा सीट पर चुनाव होने पर उस विधानसभा क्षेत्र में ही आचार संहिता लागू होती है। जबकि, इसके अलावा अन्य क्षेत्रों में विधानसभा उपचुनाव होने पर पूरे जिले में आचार संहिता लागू हो जाती है।

यूपी, महाराष्ट्र व झारखंड में अकेले चुनाव लड़ेगी बसपा

» पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने किया ऐलान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी यूपी की नौ सीटों पर होने वाले उपचुनाव के साथ महाराष्ट्र और झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनाव अकेले दम पर लड़ेगी। पार्टी अध्यक्ष मायावती ने मंगलवार को केंद्रीय चुनाव आयोग द्वारा दो राज्यों में होने वाले आम विधानसभा चुनाव और यूपी के उपचुनाव की घोषणा का स्वागत किया है।

बसपा सुप्रीमो ने कहा कि चुनाव जितना कम समय में और पाक-साफ अर्थात धनबल व बाहुबल आदि के अभिशाप से मुक्त हो, उतना ही बेहतर होगा। जिसका पूरा दारोमदार चुनाव आयोग पर ही निर्भर है। बसपा दोनों राज्यों में अकेले ही चुनाव लड़ेगी और प्रयास करेगी कि उसके लोग इधर-उधर न भटकें, बल्कि पूरी तरह बसपा से जुड़कर डॉ. भीमराव अंबेडकर के कारवां के सारथी बनकर शासक वर्ग बनने का अपना मिशनरी प्रयास जारी रखें। उन्होंने कहा कि यूपी में 9 विधानसभा की सीटों पर हो रहे उपचुनाव में भी बसपा अपने उम्मीदवार उतारेगी और यह चुनाव भी अकेले ही अपने बलबूते पर पूरी तैयारी एवं दमदारी के साथ लड़ेगी।

हमें हिस्सेदारी न मिली तो हरियाणा हो जाएगा महाराष्ट्र, बनाएंगे रणनीति: अबु आजमी

» सपा महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष ने कहा- बनाएंगे नई रणनीति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। चुनावी बिगुल बजते ही सपा ने महाराष्ट्र के रण में उतरने का एलान कर दिया है। सपा महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष और विधायक अबु आसिम आजमी ने कहा है कि अगर इंडिया गठबंधन के तहत उन्हें सीटों में हिस्सेदारी नहीं मिली तो महाराष्ट्र में भी हरियाणा जैसा हाल हो जाएगा। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव 18 और 19 अक्तूबर को मुंबई में पार्टी की राज्य इकाई के साथ रणनीति बनाएंगे।

अबु आसिम आजमी ने बताया कि महाअघाड़ी गठबंधन (इंडिया) के तहत हमने 12 सीटें मांगी हैं। उम्मीद है कि हमारे दावे को स्वीकार किया जाएगा।

परिस्थितियां कैसी भी बनें, पर हम पूरी ताकत के साथ चुनाव लड़ेंगे। सपा ने मानखुर्द शिवाजी नगर, भिवंडी ईस्ट, भिवंडी वेस्ट, मालेगांव सेंट्रल, बरसोवा, औरंगाबाद पूर्व, धुले, अकोला वेस्ट, नागपुर सेंट्रल, करंजा, जलगांव जामोद, रावेर और अमरावती सीटों पर दावा किया है। मानखुर्द शिवाजी नगर और भिवंडी ईस्ट से वर्तमान में भी सपा के विधायक हैं। सपा ने वर्ष 2009 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में 4 सीटें जीती थीं। यह उसका राज्य में अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन था।

महाराष्ट्र में होंगी अखिलेश की सभाएं

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव अपने महाराष्ट्र दौरे के दौरान 18 अक्टूबर की शाम को नासिक के मालेगांव में जनसभा करेंगे। 19 अक्टूबर की सुबह 11 बजे वे धुलिया शहर में भी जनसभा करेंगे। बता दें, 1857 के गदर के बाद अंग्रेजों के जुल्म से बचते हुए पूर्वांचल के तमाम लोग नासिक, धुलिया, भिवंडी और नागपुर में बस गए थे। इनमें अच्छी खासी संख्या बुनकरों की थी। इन लोगों के यूपी से रिश्ते अब तक बरकरार हैं। यही वजह है कि खास रणनीति के तहत सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की जनसभाओं के लिए नासिक और धुलिया जिले चुने गए हैं। मालेगांव मुस्लिम बहुल क्षेत्र है।

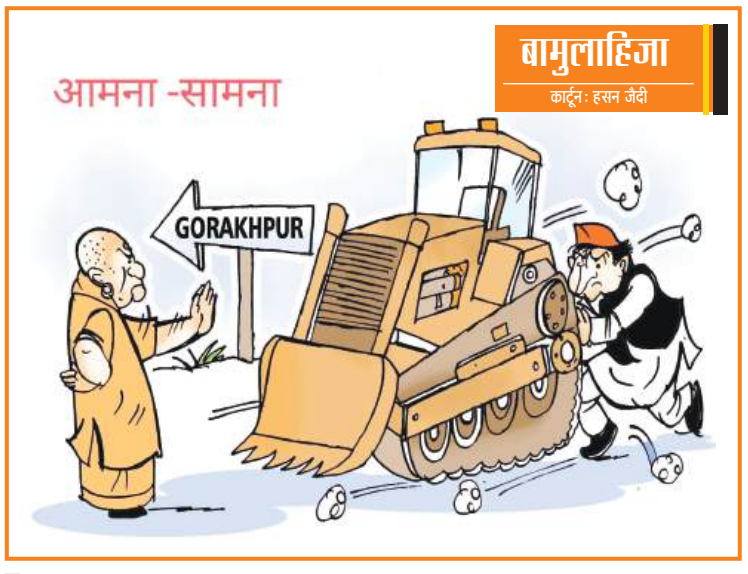

पाखंडी-नफरती हैं गिरिराज सिंह: प्रो. चंद्रशेखर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नालंदा। राष्ट्रीय जनता दल के चर्चित नेता और पूर्व शिक्षा मंत्री चद्रशेखर एक बार फिर से सुर्खियों में हैं। उन्होंने केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह पर हमला बोला है। उनकी हिंदू स्वाभिमान यात्रा पर आपत्ति जताते हुए कहा कि यह लोग देश के दुश्मन हैं, जो समाज को बांटना और तोड़ने का काम करना चाहते हैं।

» हिंदू स्वाभिमान यात्रा पर रोष

नालंदा में राजद के कार्यक्रम में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि यह नफरती लोग हैं। समाज को तोड़ना और बांटना चाहते हैं। संप्रदायवाद और नफरतवाद लोगों के संस्कार में है। यह लोग देश के दुश्मन भी हैं। केंद्रीय मंत्री ने हिंदुओं को अपनी एकता बनाए रखने पर कसम दिलाते हुए कहा कि जातियों को भूलकर अपनी एकता को बनाए रखें। देश में हिंदुओं को तोड़ने की साजिश चल रही है। आतंकियों के मारे जाने पर हमारे देश में कई लोगों के पेट में दर्द होता है। बांग्लादेश-पाकिस्तान में हिंदुओं के नरसंहार पर यह लोग नहीं बोलते। लेबनान में हिजबुल्ला के बड़े आतंकी नसरुल्लाह के मारे जाने पर कई लोगों ने जुलूस तक निकाल कर आंसू बहाए थे। इनके पेट में दर्द भी होता है। क्या लेबनान में आतंकी हिजबुल्ला मानवता का प्रतीक है? यह इंसानियत के लिए कोई लड़ाई लड़ रहा था? दूसरे देशों में हिन्दू के साथ जुर्म-अत्याचार किसी को दिखाई नहीं देता है।

फिर बजा चुनावी बिगुल, सियासी योद्धा तैयार

» कांग्रेस, भाजपा व शिवसेना, झामूमो ने कसी कमर

» एनडीए और इंडिया गठबंधन में टक्कर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

झारखंड व महाराष्ट्र में मतदान की तारीखें आईं

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र और झारखंड में चुनावों की तारीखों की घोषणा कर दी है। चुनावी बिगुल बजते ही दोनों राज्यों के सियासी दलों ने कमर कसना शुरू कर दिया। भाजपा गठबंधन महायुति व कांग्रेस गठबंधन महाअगाड़ि जहां महाराष्ट्र में आपस में टकराएंगे तो झारखंड में भाजपा की एनडीए गठबंधन व झामूमो की इंडिया गठंबधन की टक्कर होगी। हालांकि चुनावों की घोषणा से पहले विपक्ष ने आयोग व बीजेपी पर हमला भी किया। विपक्ष का कहना है कि आयोग भाजपा के दबाव में आकर फैसले कर रही है। खैर विवाद अपनी जगह है कुल मिलाकर अब फाइनली चुनावों की घोषणा हो चुकी।

जहां हरियाणा में जीत से भाजपा का जोश हाई है तो कांग्रेस बैकफुट पर है परंतु सूत्रों द्वारा ऐसी खबरें मिल रहीं हैं कि इसबार इंडिया गठबंधन बहुत फूंक-फूंक कदम उठाएगा। महाराष्ट्र में महायुति के घटकदल शिवसेना यूबीटी पहले ही कहा है कि वह भाजपा को रोकने के लिए सारे मतभेद भुला देंगे। वहीं झारखंड में भी भाजपा ने तीर-तरकस दुरुस्त करने शुरू कर दिए हैं। महाराष्ट्र और झारखंड में चुनाव की तैयारी सभी दलों की तरफ से तेज कर दी गयी है। दोनों ही राज्यों में इंडिया गठबंधन और एनडीए में मुख्य मुकाबला है। दोनों ही राज्यों में क्षेत्रीय दलों के नेता मुख्यमंत्री की कुर्सी पर हैं और बीजेपी और कांग्रेस प्रमुख सहयोगी दल हैं। दोनों ही राज्य राजनीतिक तौर पर बेहद महत्वपूर्ण हैं। महाराष्ट्र में एनडीए की सरकार है वहीं झारखंड में इंडिया गठबंधन सत्ता में है। दोनों ही राज्यों में मजबूत लड़ाई की तैयारी गठबंधनों की तरफ से की जा रही है। महाराष्ट्र में बीजेपी जहां शिवसेना और एनसीपी के साथ मिलकर सत्ता में वापसी चाहती है वहीं झारखंड में हेमंत सोरेन की नेतृत्व वाली इंडिया गठबंधन में भाकपा माले की एंट्री के बाद मजबूती आयी है। महाराष्ट्र में एक चरण में 20 नवंबर को चुनाव होंगे। वहीं झारखंड में 2 चरणों में 13 और 20 नवंबर को चुनाव होंगे। चुनाव आयुक्त की घोषणा के अनुसार, महाराष्ट्र और झारखंड के चुनावी परिणाम एक साथ 23 नवंबर को आएंगे।

झारखंड में एनडीए गठबंधन नहीं दोहराएगी गलती

झारखंड में पिछले विधानसभा चुनाव की गलतियों से सीखते हुए बीजेपी और आजसू ने गठबंधन को मजबूत करने की पूरी कोशिश की है। हालांकि अभी तक आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है लेकिन चर्चा है कि बीजेपी इस चुनाव में जनता दल यूनाइटेड, ऑल झारखंड स्टूडेंट यूनियन (आजसू) और लोजपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ने की तैयारी में है। चर्चा है कि बीजेपी इस चुनाव में कम से कम 67 सीटों पर मैदान में उतरेगी। वहीं आजसू को 9 से 11 सीटें मिल सकती है. जनता दल यूनाइटेड के लिए एनडीए के खाते से 2 सीट और लोजपा रामविलास के लिए एक सीट छोड़े जाने की संभावना है। पिछले चुनाव में आजसू और बीजेपी का गठबंधन टूट गया था.जिसका नुकसान दोनों ही दलों को उठाना पड़ा था।

दोनों राज्यों में भाजपा व कांग्रेस को वैशाखी का सहारा

महाराष्ट्र और झारखंड दोनों ही ऐसे राज्य हैं जहां बीजेपी और कांग्रेस दोनों ही दल अपने गठबंधन के दलों पर निर्भर हैं। दोनों ही दलों की कोशिश है कि किसी भी तरह से गठबंधन को मजबूत कर सत्ता तक पहुंचा जाए। दोनों ही राज्यों में क्षेत्रीय दलों के नेता मुख्यमंत्री हैं। झारखंड में जहां जेएमएम के नेता हेमंत सोरेन सीएम हैं वहीं महाराष्ट्र में शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री हैं, दोनों ही राज्यों आर्थिक तौर पर बेहद महत्वपूर्ण रहे हैं।

झारखंड में 2019 में जेएमएम था सबसे बड़ा दल

2019 के विधान सभा चुनाव में जेएमएम सबसे बड़ा दल था। उसे 30सीटें मिली थीं। बीजेपी 25, कांग्रेस 16, जेवीएम 3, एजेएसयूपी 2,निर्दलीय 2 व अन्य के खाते में 3 सीअे आईं थीं। इंडिया गठबंधन ने पिछले विधानसभा चुनाव में शानदार प्रदर्शन किया था। राजद, कांग्रेस और जेएमएम गठबंधन ने 81 सदस्यों वाले विधानसभा में 47 सीटों पर जीत दर्ज की थी। इस चुनाव में जेएमएम को 30, कांग्रेस को 16 और राजद को एक सीट मिली थी। लोकसभा चुनाव 2024 में इस गठबंधन में भाकपा माले की भी एंट्री हो गयी। लोकसभा की 14 सीटों में से 7,5,1,1 के फर्मूले पर समझौते हुई थी। कांग्रेस 7, जेएमएम 5, राजद 1 और भाकपा माले को एक सीट मिली थी। हालांकि विधानसभा चुनाव में जेएमएम हमेशा से अधिक सीटों पर चुनाव लड़ती रही है। झारखंड के पिछले विधानसभा चुनाव में वाम दल इंडिया गठबंधन में शामिल नहीं थे।

महाराष्ट्र में 2019 में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2019 में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी थी। दूसरे शिवसेना जबकि तीसरे पर एनसीपी व चौथे पर कांग्रेस थी। पर बाद में भाजपा ने शिवसेना व एनसीपी को तोडकर अपनी सरकार बना ली थी। बीजेपी105,कांग्रेस 44,शिवसेना 56,एनसीपी 54,निर्दलीय 13 व अन्य के खाते में एक सीट थी।

महाराष्ट्र विकास अघाड़ी में सीटों पर सहमति पर चर्चा

सूत्रों के अनुसार हरियाणा विधानसभा चुनाव में हार के बाद कांग्रेस पार्टी महाराष्ट्र और झारखंड को लेकर कोई गलती नहीं करनी चाहती है। जानकारी के अनुसार 288 सदस्यों वाली विधानसभा में कांग्रेस और शिवसेना (उद्धव) बराबर- बराबर सीटों पर चुनाव लड़ सकती है। जिसका आंकड़ा 100-100 हो सकता है साथ ही एनसीपी को 84 सीटें मिल सकती है। 4 सीटें छोटे दलों के लिए छोड़े जा सकते हैं। कुछ सीटों पर आपसी सहमति से फेरबदल की भी संभावना है. हालांकि संख्या को लेकर लगभग सहमति बन गयी है।

महायुति में सीटों का बंटवारा अंतिम चरण में

महाराष्ट्र में महायुति का सीट बंटवारा अंतिम चरण में है। सूत्रों से जानकारी मिली कि 90 फीसदी सीटों का बंटवारा तय हो चुका है। 288 सीटों में से बीजेपी 158 पर लड़ेगी। शिवसेना शिंदे गुट को बीजेपी 70 सीटें देने को तैयार है, वहीं एनसीपी अजित पवार गुट को 50 सीटें दी जाएगी। राकांपा नेता प्रफुल्ल पटेल ने कहा कि सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के सहयोगियों के बीच महाराष्ट्र विधानसभा की 288 सीटों में से लगभग 230 सीटों पर आम सहमति बन गई है। बाकी सीटों पर अंतिम फैसला होने के बाद हम मीडिया को अगले दो से चार दिनों में बता देंगे।

उद्धव ठाकरे व एकनाथ शिंदे में वार-पलटवार शुरू

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे पर कटाक्ष करते हुए दावा किया कि शिवसेना (यूबीटी) के नेता की नजर अब नेता विपक्ष के पद पर है क्योंकि एमवीए सहयोगी नहीं चाहते कि वह मुख्यमंत्री बनें। विशेष रूप से, शिवसेना (यूबीटी) विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री चेहरे की घोषणा करने पर जोर दे रही है, लेकिन सहयोगी कांग्रेस और एनसीपी (शरदचंद्र पवार) से समर्थन हासिल करने में विफल रही है। सीएम शिंदे ने जालना जिले में एक सार्वजनिक बैठक में कहा अपने गठबंधन सहयोगियों से समर्थन की कमी के बावजूद ठाकरे मुख्यमंत्री पद दोबारा हासिल करने की महत्वाकांक्षा पाले हुए हैं. कभी ठाकरे मुख्यमंत्री बनने का सपना देखते थे लेकिन अब उनके गठबंधन सहयोगी भी उन्हें उस पद पर नहीं देखना चाहते। उन्होंने कहा कि उद्धव की नजर अब नेता विपक्ष के पद पर है. उन्होंने कहा मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं. शिंदे ने महायुति के दोबारा सत्ता में आने के बाद मराठवाड़ा क्षेत्र के लिए जल ग्रिड योजना लागू करने का वादा किया। शिवसेना (यूबीटी) के नेता हिकमत उढाण इस अवसर पर शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो गए। इससे पहले सीएम एकनाथ शिंदे और शिवसेना (यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे ने अपनी-अपनी पार्टी की दशहरा रैली में एक-दूसरे पर जमकर हमला बोला था. रैली के दौरान सीएम शिंदे ने उद्धव ठाकरे की पार्टी की तुलना औवैसी की पार्टी एआईएमआईएम से की थी. उन्होंने कहा कि एआईएमआईएम की तरह उद्धव की पार्टी भी मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति पर ही निर्भर है। वहीं, ठाकरे ने कहा कि महायुति सरकार ने केवल वोटों के लिए छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति बनवाई थी, जो ढह गई. उन्होंने कहा कि हम जब सत्ता में आएंगे तो महाराष्ट्र के हर जिले में छत्रपति शिवाजी महाराज का मंदिर बनवाएंगे. छत्रपति शिवाजी महाराज को वो अपना वोट बैंक मानते हैं और हम उन्हें भगवान मानते हैं.

झारखंड में बीजेपी चुनावी मोड में आई

झारखंड हमेशा से बीजेपी के लिए एक मजबूत राज्य के तौर पर रहा है। लोकसभा चुनाव में भी खराब प्रदर्शन के बाद भी बीजेपी ने 14 में से 9 सीटों पर जीत दर्ज की थी। वहीं निर्माण के बाद से ही बीजेपी राज्य में कई बार सत्ता में आ चुकी है। हालांकि पिछले विधानसभा चुनाव में हार और लोकसभा के प्रदर्शन के बाद बीजेपी ने रणनीति में बदलाव किया है। पहली बार बीजेपी राज्य में कई दलों के साथ मिलकर चुनावी मैदान में उतरने जा रही है. बीजेपी ने जनता दल यूनाइटेड, ऑल झारखंड स्टूडेंट यूनियन और लोजपा रामविलास के साथ मिलकर चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी की है।

महाराष्ट्र में दोनों गठबंधनों की पूरी तैयारी

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में एनडीए में बीजेपी के अलावा एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शामिल है। तीनों ही दलों ने मिलकर लोकसभा का चुनाव लड़ा था। हालांकि उस चुनाव में जैसी उम्मीद थी वैसी सफलता एनडीए को नहीं मिली थी। अजित पवार की पार्टी का प्रदर्शन बेहद खराब रहा था। वहीं बात अगर इंडिया गठबंधन की करें तो कांग्रेस के अलावा उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना यूबीटी, शरद पवार की एनसीपी शामिल है। लोकसभा चुनाव के दौरान गठबंधन ने अच्छा प्रदर्शन किया था। महाराष्ट्र में इंडिया गठबंधन महाराष्ट्र विकास अघाड़ी के तौर पर एक जुट रही है। इसका गठन 2019 के विधानसभा चुनाव के बाद हुआ था। वहीं एनडीए गठबंधन महायुति के नाम से जाना जाता है। लोकसभा चुनाव के दौरान प्रकाश आंबेडकर की पार्टी वंचित बहुजन अघाड़ी की अंतिम समय तक इंडिया गठबंधन के साथ बातचीत चली थी। लेकिन गठबंधन तय नहीं हो पाया था। चर्चा है कि महाराष्ट्र विकास अघाड़ी की तरफ से एक बार फिर प्रकाश आंबेडकर से बातचीत चल रही है।

इंडिया गठबंधन वापसी की तैयारी में

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा है कि उनकी पार्टी- झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व में बना गठबंधन प्रदेश की सभी 81 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगा। उन्होंने चुनावी तैयारियों पर भरोसा जताते हुए कहा कि गठबंधन एक बार फिर राज्य में सरकार बनाने में सफल रहेगा। उन्होंने कहा कि आज सभी कार्यकर्ताओं और पार्टी के कार्यकारी समिति के सदस्यों के साथ झामुमो केंद्रीय समिति की बैठक में भाग लिया। चुनाव तैयारियों की समीक्षा के बाद हेमंत सोरेन ने कहा कि प्रदेश की विपक्षी पार्टी- भाजपा के विपरीत झामुमो नीत गठबंधन केवल घोषणा करने पर भरोसा नहीं करता। उन्होंने दावा किया कि सरकार ने कई कल्याणकारी योजनाएं क्रियान्वित की हैं। गौरतलब है कि विधानसभा चुनाव इसी साल नवंबर-दिसंबर में संभावित हैं। विधानसभा चुनावों की घोषणा जल्द ही होने की संभावना है क्योंकि विधानसभा का कार्यकाल 5 जनवरी 2025 को समाप्त हो रहा है। एक अन्य अहम घटनाक्रम में विधानसभा चुनाव चुनाव से ठीक पहले झारखंड सरकार ने नए कॉलेजों और पॉलिटेक्निक के निर्माण के लिए धनराशि को मंजूरी दी। शिक्षा विभाग के कई प्रस्तावों को मंजूरी दी गई, जिसमें 530 करोड़ रुपये की लागत से इंजीनियरिंग कॉलेज और पॉलिटेक्निक की स्थापना भी शामिल है। जमशेदपुर के चाकुलिया में 134.18 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से राजकीय पॉलिटेक्निक का निर्माण कराया जाएगा। इसके अलावा 136.13 करोड़ रुपये की लागत से पोटका में भी राजकीय पॉलिटेक्निक का निर्माण होगा। 254.93 करोड़ रुपये की लागत से जमशेदपुर में ही राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज भी बनेगा। खबर के मुताबिक सोमवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में कुल 29 निर्णय लिए गए। सरकार ने नेतरहाट आवासीय विद्यालय की तर्ज पर कोल्हान प्रमंडल, संथाल परगना प्रमंडल और उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल में भी स्कूल शुरू करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

कांग्रेस को करना होगा बड़ा मन!

> जहां महाराष्ट्र में महायुति की सरकार है जिसमें तीन दल एनसीपी अजित पवार गुट, शिवसेना शिंदे गुट व भाजपा शामिल है। जबकि सत्ता में वापसी की कोशिश में जुटी महाअगाड़ि जिसमें कांग्रेस, शिवसेना यूबीटी व एनसीपी शरद पवार गुट साथ में है। वहीं झारखंड में झामूमो-कांग्रेस की इंडिया गठबंधन की सरकार की कुर्सी पर काबिज है जबकि भाजपा-एनडीए गठबंधन सत्ता पाने को बेकरार है।

झारखंड व महाराष्ट्र के लिए चुनाव की तारीखों की घोषणा हो गई। एनडीए व इंडिया गठबंधन में एकबार फिर टक्कर को देखने को मिलेगी। राजनैतिक नजरिये से दोनों राज्य महत्वपूर्ण हैं। जहां महाराष्ट्र में महायुति की सरकार है जिसमें तीन दल एनसीपी अजित पवार गुट, शिवसेना शिंदे गुट व भाजपा शामिल है। जबकि सत्ता में वापसी की कोशिश में जुटी महाअगाड़ि जिसमें कांग्रेस, शिवसेना यूबीटी व एनसीपी शरद पवार गुट साथ में है। वहीं झारखंड में झामूमो-कांग्रेस की इंडिया गठबंधन की सरकार की कुर्सी पर काबिज है जबकि भाजपा-एनडीए गठबंधन सत्ता पाने को बेकरार है। महाराष्ट्र में कांग्रेस गठबंधन की सरकार बनने के आसार सर्वे में दिखाई दे रहे हैं जबकि झारखंड में दोनों गठबंधनों में कांटे की टक्कर होने की उम्मीद बता ई जा रही है। कुल मिलाकर कांग्रेस को बहुत ही गंभीरता से चुनाव लड़ना होगा क्योंकि हरियाणा में ऐसा ही लग रहा था कि सरकार बन जाएगी पर सहयोगियों के साथ मतभेद से वह जीती हुई बाजी हार गई। इसलिए कांग्रेस को फूंक-फूंक कर कदम उठाना होगा।

वहीं भाजपा ने भी हरियाणा में जीत के बाद से अपनी रणनीति में बदलाव कर दिया है। दरअसल, जम्मू कश्मीर के घाटी वाले हिस्से में मिला जुला जनादेश मिला है। वहीं हरियाणा की बात की जाए तो इस प्रदेश में कांग्रेस की असफलता का एक बड़ा कारण गठबंधन नहीं होना ही माना जा रहा है। हरियाणा में कांग्रेस को यह गुमान हो गया था कि वह अपने दम पर सरकार बनाने में सफलता हासिल कर लेगी, लेकिन कांग्रेस को एक बार फिर निराश होना पड़ा। कांग्रेस की इस पराजय ने इंडी गठबंधन के अन्य दलों ने कांग्रेस की कार्यशैली पर सवाल भी उठाए हैं। यह सत्य है कि अगर हरियाणा में भाजपा विरोधी राजनीतिक दलों में समन्वय हो जाता तो शायद परिणाम भिन्न हो सकते थे, लेकिन कांग्रेस ने इंडी गठबंधन के अन्य दलों की अनसुनी करके अपनी पराजय का मार्ग तैयार कर लिया। केंद्रीय नेतृत्व की अप्रत्यक्ष कमान संभाल रहे राहुल गांधी बेहद सक्रिय दिखाई दिए। सभी जानते हैं कि कांग्रेस जीत के प्रति पूरी तरह से आशान्वित थी। यहां तक कि कांग्रेस ने जीत के जुलूस की भी व्यापक तैयारी की थी। हालांकि हरियाणा में कांग्रेस के पास खोने के लिए कुछ नहीं था। क्योंकि वह सत्ता में नहीं थी। अब आगे आने चुनाव में भी कांग्रेस को सहयोगियों के साथ बड़ा दिल दिखाना होगा। राजनीतिक विश्लेषक मान रहे हैं कि कांग्रेस के अंदर ही प्रादेशिक नेताओं में गंभीर जोर आजमाइश चल रही थी, इसका कारण सत्ता प्राप्ति के मुख्यमंत्री पद की चाहत ही था। लेकिन इस राजनीतिक अस्तित्व को दिखाने और सामने वाले के मिटाने के खेल ने ही कांग्रेस को जमीन पर लाकर खड़ा कर दिया है। कांग्रेस के राज्य स्तरीय नेताओं को भी अपने स्वार्थ को परे रखकर चुनाव में लड़ने की तैयारी करनी चाहिए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कानून से कार्य अवधि का नियमन जरूरी

डॉ. शशांक द्विवेदी

पिछले दिनों लखनऊ में एचडीएफसी बैंक में काम करने वाली एक महिला कर्मचारी 45 वर्षीय सदफ फातिमा की कथित रूप से वर्क प्रेशर के चलते जान चली गई। इसके पहले पुणे में 'अर्न्स्ट एंड यंग' में काम करने वाली एक युवा सीए 26 साल की ऐना सेबेस्टियन पेरायिल की वर्क प्रेशर के चलते मौत हो गई थी। इन दोनों ही घटनाओं ने वर्किंग ऑवर और वर्क लाइफ बैलेंस को लेकर बहस छेड़ दी है। ऐना और फातिमा की मौत के बाद देश में वर्क प्रेशर को लेकर बहस और चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। राजनीतिक दलों और बड़े डॉक्टरों ने भी सरकार को चेताया है। डॉक्टरों की मानें तो भारत में ओवरवर्क का ट्रेंड बेहद कॉमन है। हाल के दिनों में ऑफिस और फैक्टरियों के कर्मचारियों पर काम के दबाव के कारण मौत के कई मामले सामने आए हैं। रिसर्च में खुलासा हुआ है कि ज्यादातर युवाओं की मौतें वर्क लोड की वजह से हुई हैं।

इसे डॉक्टर ऑक्यूपेशनल डेथ कहते हैं। ये मौतें काम करते-करते हुई हैं। इनको वर्क रिलेटेड डेथ ट्रीट किया जाना चाहिए, इनको मुआवजा मिलना चाहिए। भारत विकसित देश की ओर अग्रसर है, ऐसे में कंपनियों और फैक्टरियों में इस तरह की घटनाएं और बढ़ेंगी। भारत सरकार को इसके लिए तुरंत ही कानून लाना चाहिए। वर्ष 1969 में जापान में इस तरह की पहली मौत हुई थी। एक 29 साल का लड़का न्यूज पेपर के शिपिंग डिपार्टमेंट में काम करते-करते मर गया था। लड़के के मरने के बाद उसकी पत्नी ने कंपनी से मुआवजा मांगा। कंपनी ने मुआवजा नहीं दिया तो इसको लेकर एसोसिएशन बनी। धीरे-धीरे कई और लोग भी सामने आए, इसके बाद यह मांग पश्चिम के देशों में भी उठने लगी। इसके बाद एक 'डेथ ड्यू टू ओवर वर्क एसोसिएशन' बनी। डब्ल्यूएचओ ने भी माना कि लांग वर्किंग ऑवर्स की वजह से दुनिया में 60 लाख से ज्यादा लोग हर साल मरते हैं। यहां तक कि डेथ ड्यू टू ओवर वर्क में कोई शख्स सुसाइड करता है तो भी उसके परिवार वालों को अब जापान में मुआवजा मिलता है।

साल 2014 में, जापान की सरकार एक एक्ट लेकर आई, जिसे करोशी एक्ट कहते हैं। इस एक्ट के तहत वर्क रिलेटेड डेथ ऑक्यूपेशनल डेथ को लेकर कई सारी गाइडलाइंस हैं, जिसे वहां की कंपनियां फॉलो करती हैं। जैसे साल 2018 के बाद जापान ने ओवरटाइम घंटों को सीमित कर दिया। एक वर्कर महीने में 45 घंटे से ज्यादा और साल में 360 घंटे तक ही ओवरटाइम कर सकता है। वैसे तो भारत में वर्किंग ऑवर 8 से 9 घंटे का होता है। इस तरह लोग हर हफ्ते 45 से 48 घंटे काम करते हैं। हालांकि, कुछ कंपनियों में वर्किंग ऑवर के बाद भी काम करना पड़ता है। इसकी वजह से न सिर्फ उनकी शारीरिक स्थिति पर असर पड़ता है, बल्कि काम के दबाव के चलते मानसिक तौर पर भी कर्मचारी कमजोर हो जाता है। हालांकि, दुनिया के कुछ ऐसे भी मुल्क हैं, जहां वर्क लाइफ बैलेंस काफी ज्यादा अच्छा है। वहां लोग हफ्ते में 30 घंटे या उससे भी कम काम करते हैं। इंटरनेशनल लेबर ऑर्गेनाइजेशन की रिपोर्ट के मुताबिक, प्रशांत महासागर में स्थित वनातू नाम के देश में सबसे कम घंटे तक लोग काम करते हैं। यहां एक कर्मचारी हर हफ्ते सिर्फ 24.7 घंटे काम करता है। वनातू की सिर्फ 4 फीसदी आबादी ही हफ्ते में 49 घंटे या उससे ज्यादा काम करती है। प्रशांत महासागर में ही किरिबाती का एक कर्मचारी हर हफ्ते औसतन 27.3 घंटे काम करता है। हैरानी की बात यह है कि भारत सबसे कम वर्किंग ऑवर वाले देशों में टॉप 20 में भी शामिल नहीं है। यहां की 51 फीसदी वर्कफोर्स हर हफ्ते 49 घंटे या उससे ज्यादा काम करती है। भारत दुनिया में सबसे ज्यादा घंटों तक काम करने वाले मुल्कों में दूसरे स्थान पर है। पिछले साल देश की उत्पादकता बढ़ाने के लिए सप्ताह में 70 घंटे काम करने का सुझाव देने को लेकर इन्फोसिस के सह संस्थापक नारायण मूर्ति की काफी आलोचना हुई थी।

रिपोर्ट के अनुसार, काम से जुड़ी समस्याओं से भारतीयों में आत्महत्या की दर, दो दशकों में 2.4 गुना बढ़ी है। डब्ल्यूएचओ और आईएलओ की रिपोर्ट के अनुसार, लम्बे समय तक काम करने से हृदय रोग और स्ट्रोक से होने वाली मौतें बढ़ रही हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार अगर काम को लेकर बाउंडरी बनाकर नहीं रखेंगे, तो इससे मेंटल हेल्थ पर भी बुरा असर पड़ सकता है। इसलिए पर्सनल लाइफ और वर्क लाइफ के बीच बाउंडरी बनाकर रखें। काम के वक्त पर्सनल-लाइफ से दूरी और फैमिली टाइम के वक्त वर्क-लाइफ से दूरी बनाए रखना बहुत जरूरी है। सरकार, कामकाजी वर्ग के लिए सेफ्टी नॉर्म्स और मनोवैज्ञानिक मुद्दों पर संतोषजनक कदम नहीं उठा रही है। सवाल यह उठता है कि क्या भारत भी जापान की तरह 'करोशी एक्ट' लागू करेगा, ताकि वर्क रिलेटेड डेथ जैसे ब्रेन हेमरेज, हार्ट अटैक, इम्यूनिटी में कमी और नींद की समस्याओं को रोका जा सके। मुद्दे पर सामुदायिक स्तर पर पहल करने की आवश्यकता है।

विस्थापन और आर्थिक बदहाली से मानवता पर संकट

बेशक, दुनिया युद्ध नहीं चाहती और आम आदमी, चाहे वह किसी भी कोने में हो, युद्ध की इस अफरातफरी में आवश्यक आपूर्ति के लिए संघर्ष कर रहा है। हाल ही में ईरान की 200 से अधिक मिसाइलें इस्राइल पर दागी गईं, जिससे युद्ध की गतिविधियां बढ़ गई हैं। इसके साथ, दुनिया को अगली चुनौती तेल आपूर्ति संकट के रूप में सामने आ सकती है। यह युद्ध केवल सीधे लड़ रहे देशों तक सीमित नहीं है; इसके पीछे समर्थक देशों का एक छाया युद्ध भी चल रहा है, जो सहायता और संसाधनों की आपूर्ति या लड़ाई में शामिल लोगों को समर्थन देने के रूप में प्रकट होता है।

सुरेश सेठ

इस्राइल और हमास के बीच की भीषण लड़ाई को एक वर्ष पूरा हो चुका है। इस संघर्ष ने डेढ़ करोड़ लोगों पर गहरा असर डाला है। लगभग 42,000 लोगों की जान गई, जिनमें 16,000 फलस्तीनी बच्चे शामिल हैं। इसके परिणामस्वरूप 18,000 से अधिक बच्चे अनाथ हो गए हैं। लेबनान की 55 लाख की आबादी में हर पांचवां व्यक्ति इस्राइली हमलों के कारण विस्थापित हो गया है। पिछले दो वर्षों से रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध का कोई अंत नजर नहीं आ रहा। जिस यूक्रेन को रूस ने कुछ नहीं समझा था, उसने नाटो, पश्चिमी देशों और अमेरिका की परोक्ष सहायता से एक भयंकर संघर्ष जारी रखा है और साथ ही रूसी क्षेत्रों में घुसपैठ का साहस दिखाया है। दुनिया के शांति और समझौते के पक्षधर देशों, जिनमें भारत भी शामिल है, ने इस युद्ध की समाप्ति के लिए पुतिन और जेलेंस्की दोनों से बातचीत की है। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की शांति अपीलों पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है।

इसी तरह, एक वर्ष से इस्राइल और हमास के बीच चल रहे युद्ध, जिसे नेतन्याहू ने हमास के आतंकियों द्वारा शुरू किया गया बताया है, अभी भी जारी है। इस्राइल का भीषण आक्रमण बढ़ता जा रहा है। धीरे-धीरे इस युद्ध का दायरा बढ़ रहा है, जिसमें लेबनान पर इस्राइली कार्रवाइयां, हिज्बुल्लाह के साथ संघर्ष और सीरिया-ईरान की एकता इस युद्ध के घेरे को विस्तारित कर रही है। बेशक, दुनिया युद्ध नहीं चाहती और आम आदमी, चाहे वह किसी भी कोने में हो, युद्ध की इस अफरातफरी में आवश्यक आपूर्ति के लिए संघर्ष कर रहा है। हाल ही में ईरान की 200 से अधिक मिसाइलें इस्राइल पर दागी गईं, जिससे युद्ध की गतिविधियां बढ़ गई हैं। इसके साथ, दुनिया को अगली चुनौती तेल आपूर्ति संकट के रूप में सामने आ सकती है। यह युद्ध केवल सीधे लड़ रहे देशों तक सीमित नहीं है; इसके पीछे समर्थक देशों का एक छाया युद्ध भी चल रहा है, जो सहायता और संसाधनों की आपूर्ति या लड़ाई में शामिल लोगों को समर्थन देने के रूप में प्रकट होता है। शांति अपीलों के बावजूद, इस संघर्ष का अंत नजर नहीं आ रहा।

हाल ही में इस्राइल और हमास के बीच गाजा पट्टी में जारी लड़ाई और भी भयावह हो गई है। अब यह संघर्ष लेबनान तक पहुंच चुका है, जहां इस्राइल ने दक्षिणी लेबनान के कस्बों को खाली करने का आदेश दिया है। इस्राइली सेना ने हमास के वरिष्ठ कमांडरों को मार गिराने का दावा किया है। इसके बाद, लेबनान में विस्फोटों और हिज्बुल्लाह के प्रमुख नेता नसरल्लाह की मौत के साथ स्थिति और अधिक बिगड़ गई है। इस्राइली सेना ने तीन महीने पहले गाजा पट्टी में हमास के वरिष्ठ नेता रबही मुश्तहा और दो अन्य कमांडरों को मार गिराया था। मुश्तहा, जो हमास के शीर्ष नेता सिनवार का करीबी सहयोगी था, पर 7 अक्टूबर को इस्राइल पर हुए हमले की साजिश का आरोप है।

माना जाता है कि सिनवार गाजा में छिपा हुआ है। युद्ध अब गाजा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि लेबनान, सीरिया और ईरान भी इसमें शामिल हो चुके हैं, परमाणु बम की धमकियां भी दी जा रही हैं। इस्राइल की लड़ाई लेबनान में भयानक होती जा रही है, जहां उसने फास्फोरस बम दागे हैं। चिकित्सा शिविरों, शरणार्थी शिविरों और स्कूलों पर हमले हो रहे हैं, जबकि कहा जा रहा है कि आतंकी वहां छिपे हुए हैं। हाल ही में बेरूत की एक इमारत पर हवाई हमले में 9 लोग मारे गए, जिसमें रेडक्रास के चार स्वास्थ्यकर्मियों की भी मौत हुई। सितंबर के अंत से जारी बमबारी में इस्राइल ने बड़ी संख्या में लोगों को मार डाला है, जबकि हिज्बुल्लाह के ठिकानों पर हमले तेज कर दिए हैं।

लड़ाई अब बेरूत के मध्य क्षेत्र तक पहुंच चुकी है, जहां संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय और अन्य महत्वपूर्ण इमारतें भी निशाने पर हैं। इस्राइली सेना ने हिज्बुल्लाह के लगभग सैकड़ों ठिकानों पर हमला किया है, और दक्षिणी लेबनान को खाली करने की चेतावनी दी जा रही है, जबकि संयुक्त राष्ट्र ने इस क्षेत्र को बफर जोन घोषित किया था। अभी तक इजिप्ट और अन्य कट्टर मुस्लिम देशों ने इस लड़ाई में सीधा हस्तक्षेप नहीं किया है, लेकिन उनकी हमदर्दी का पक्ष स्पष्ट नहीं है। मानवीयता के हनन को हम विभिन्न युद्धों में देख सकते हैं—जैसे रूस-यूक्रेन युद्ध, इस्राइल-हमास संघर्ष, और हिज्बुल्लाह के साथ बढ़ती लड़ाई। बांग्लादेश में हिंसा और वहां से भारतीय राजदूत की वापसी जैसी घटनाएं यह दर्शाती हैं कि युद्ध मानवता के लिए एक नया संकट लेकर आया है। इसके अलावा, युद्ध वैश्विक आर्थिक स्थिरता को भी प्रभावित कर रह है। शेयर बाजारों में गिरावट, भारत समेत अन्य देशों में विकास की संभावनाओं को खतरे में डाल रही है। पूंजी निर्माण के लिए निवेश आवश्यक है, और यदि शेयर बाजार की यह स्थिति बनी रहती है, तो विकास की संभावना कैसे बढ़ेगी?

स्वस्थ मस्तिष्क के लिए ये आहार हैं जरूरी और इनसे बनाएं दूरी

हमारा मस्तिष्क पूरे शरीर को गतिविधियों को नियंत्रित करने में मदद करता है। यही कारण है कि इसे स्वस्थ रखने के लिए निरंतर उपाय करते रहने की आवश्यकता होती है। मस्तिष्क को स्वस्थ रखने और इसके कार्यों को सुचारू तरीके के जारी रखने के लिए जरूरी है कि हमारी जीवनशैली और आहार भी स्वस्थ रहे। दुर्भाग्यवश इन दोनों में होने वाली गड़बड़ी के कारण वैश्विक स्तर पर तेजी से मस्तिष्क से संबंधित रोगों का खतरा काफी तेजी से बढ़ता जा रहा है। मस्तिष्क की सेहत के लिए आहार की विशेष भूमिका होती है। हम क्या खाते हैं, इसका सीधा असर शरीर के इस महत्वूर्ण अंग को प्रभावित करता है। कुछ चीजें आपके मस्तिष्क के लिए हानिकारक हो सकती हैं, यहां तक कि इससे डिमेंशिया जैसी बीमारियों के बढ़ने का भी खतरा हो सकता है।

ब्रोकली

भले ही आम घरों में बहुत ज़्यादा यूज़ न होता हो, मगर ये हरी सब्ज़ी सेहत से भरपूर होती है। इसे बॉयल करके खाना सेहत के लिए बहुत फ़ायदेमंद होता है। ब्रोकली, एंटीऑक्सीडेंट सहित शक्तिशाली प्लांट बेस्ड यौगिकों से भरपूर होती है। इसमें विटामिन-के पाया जाता है, जो ब्रेन सेल्स को स्वस्थ रखने और बीमारियों को कम करने में सहायक है। वयस्कों पर किए गए कुछ अध्ययनों में पाया गया कि जो लोग विटामिन-के का सेवन करते हैं उनकी स्मृति और संज्ञानात्मक शक्ति मजबूत होती है।

हल्दी

हल्दी में करक्यूमिन पाया जाता है जो मस्तिष्क की कोशिकाओं को लाभ पहुंचा सकता है। यह एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट और सूजन-रोधी यौगिक के रूप में काम करता है जिससे याददाश्त की समस्याओं का जोखिम कम होने के साथ मस्तिष्क कोशिकाओं में होने वाली क्षति के कारण बीमारियों का खतरा कम होता है।

अल्कोहल बहुत हानिकारक

शराब की थोड़ी भी मात्रा शरीर के लिए नुकसानदायक होती है, इसे संपूर्ण शारीरिक, विशेषकर मानसिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक पाया गया है। लंबे समय तक शराब का सेवन आपके मस्तिष्क में न्यूरोट्रांसमीटर संचार को बाधित कर सकता है। समय के साथ स्मृति हानि, चीजों को समझने की शक्ति भी कम हो सकती है।

धूम्रपान-सबसे बड़ा दुश्मन

मस्तिष्क की सेहत के लिए जिन चीजों को सबसे हानिकारक दुष्प्रभावों वाला पाया गया है, धूम्रपान उनमें से एक है। शोधकर्ताओं ने पाया कि धूम्रपान करने वालों का सेरेब्रल कॉर्टेक्स, धूम्रपान न करने वालों की तुलना में पतला हो जाता है। सेरेब्रल कॉर्टेक्स मस्तिष्क का वह हिस्सा है जो स्मृति और सीखने सहित सोचने के कौशल के लिए महत्वपूर्ण है। इसमें होने वाली क्षति न सिर्फ आपके सामाजिक कौशल को कम करती है साथ ही मस्तिष्क से संबंधित कई गंभीर बीमारियों को बढ़ाने वाली भी हो सकती है।

ज्यादा मीठी चीजें नुकसानदायक

मीठी चीजें सिर्फ ब्लड शुगर ही नहीं बढ़ाती हैं, इनसे आपके मस्तिष्क को भी क्षति पहुंचती है। अगर आप ऐसी चीजें खाते हैं तो आपका ब्लड शुगर बढ़ सकता है जिससे हृदय रोग और टाइप-2 डायबिटीज का खतरा भी बढ़ जाता है। अधिक चीनी खाने से मस्तिष्क में इंसुलिन प्रतिरोध भी बढ़ने लगता है, जो सीखने, स्मृति और न्यूरॉन विकास पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है।

हंसना मना है

एक महिला एक साधु के पास गई और बोली महाराज! आपने प्रवचन में कहा था, अहंकार ही सबसे बड़ा पाप है। पर जब मैं आईना देखती हूं, तो सोचती हूं मैं कितनी सुंदर हूं तो मुझे बहुत अहंकार हो जाता है, मैं क्या करूं? साधु ने कहा- बेटी, यह अहंकार नहीं, गलतफहमी है और गलतफहमी कोई पाप नहीं।

ग्राहक- तुम्हारी भैंस की एक आंख खराब है, फिर भी तुम इसके 25000 मांग रहे हो। आदमी- तुम्हें भैंस दूध के लिए चाहिए या नैन मटक्का के लिए चाहिए?

एक मुर्गा मालिक को खिड़की से बैठा देख रहा था। मालिक बहुत बीमार था, मालिक की पत्नी उसके बगल में बैठी थी। पत्नी बोली- आपको बहुत तेज बुखार है मैं आपके लिए चिकन सूप बना लाती हूं, इतना सुनते ही मुर्गे के तोते उड़ गये, मुर्गा बोला- बहन जी एक बार 'पेरासिटामोल' दे कर भी देख लो।

अगर किसी लड़की को उसकी मर्जी के खिलाफ आई लव यू बोलना गलत है तो किसी लड़के को उसकी मर्जी के खिलाफ भैया बोलना भी गलत है?

कहानी | प्रभु भोग का फल

एक सेठजी बड़े कंजूस थे। एक दिन दुकान पर बेटे को बैठा दिया और बोले कि बिना पैसा लिए किसी को कुछ मत देना, मैं अभी आया। अकस्मात एक संत आये जो अलग-अलग जगह से एक समय की भोजन सामग्री लेते थे। लड़के से कहा- बेटा जरा नमक दे दो। लड़के ने सन्त को डिब्बा खोल कर एक चम्मच नमक दिया। सेठजी आये तो देखा कि एक डिब्बा खुला पड़ा था। सेठजी ने कहा- क्या बेचा बेटा? बेटा बोला- एक सन्त, जो तालाब के किनारे रहते हैं, उनको एक चम्मच नमक दिया था। सेठ का माथा ठनका और बोला- अरे मूर्ख! इसमें तो जहरीला पदार्थ है। अब सेठजी भाग कर संतजी के पास गए, सन्तजी भगवान को भोग लगाकर थाली लेकर भोजन करने बैठे ही थे कि.. सेठजी दूर से ही बोले- महाराज जी रुकिए, आप जो नमक लाये थे, वो जहरीला पदार्थ था, आप भोजन नहीं करें। संतजी बोले- भाई हम तो प्रसाद लेंगे ही, क्योंकि भोग लगा दिया है और भोग लगा भोजन छोड़ नहीं सकते। हां, अगर भोग नहीं लगता तो भोजन नहीं करते और कहते-कहते भोजन शुरू कर दिया। सेठजी के होश उड़ गए, वो तो बैठ गए वहीं पर। रात हो गई, सेठजी वहीं सो गए कि कहीं संतजी की तबियत बिगड़ गई तो कम से कम बैद्यजी को दिखा देंगे तो बदनामी से बचेंगे। सोचते सोचते उन्हें नींद आ गई। सुबह जल्दी ही सन्त उठ गए और नदी में स्नान करके स्वस्थ दशा में आ गये। सेठजी ने कहा- महाराज तबियत तो ठीक है। सन्त बोले- भगवान की कृपा है! इतना कह कर मन्दिर खोला तो देखते हैं कि भगवान के श्री विग्रह के दो भाग हो गए हैं और शरीर काला पड़ गया है। अब तो सेठजी सारा मामला समझ गए कि अटल विश्वास से भगवान ने भोजन का जहर भोग के रूप में स्वयं ग्रहण कर लिया और भक्त को प्रसाद ग्रहण कराया। सेठजी ने घर आकर बेटे को घर दुकान सम्भला दी और स्वयं भक्ति करने सन्त शरण में चले गए! इसलिए रोज ही भगवान को निवेदन करके भोजन का भोग लगा करके ही भोजन करें, भोजन अमृत बन जाता है। अतः आज से ही यह नियम बना लें कि भोजन बिना भोग लगाएं नहीं करेंगे।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

पुराना रोग उभर सकता है। योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। विरोधी सक्रिय रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे।

वृषभ

व्यवसाय में ध्यान देना पड़ेगा। व्यर्थ समय न गंवाएं। पूजा-पाठ में मन लगेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जल्दबाजी से हानि संभव है। थकान रहेगी। कुसंगति से बचें।

मिथुन

घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

कर्क

कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति निर्मित होगी। प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। व्यापार में लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। अपेक्षाकृत कार्य समय पर होंगे।

सिंह

बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। स्थायी संपत्ति से बड़ा लाभ हो सकता है।

कन्या

पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा।

तुला

दूर से बुरी खबर मिल सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। बेवजह तनाव रहेगा। किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। फालतू बातों पर ध्यान न दें। आय में निश्चितता रहेगी।

वृश्चिक

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। चिंता बनी रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी।

धनु

उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। बड़ा काम करने का मन बनेगा।

मकर

नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति संभव है। यात्रा लाभदायक रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। कारोबारी बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं।

कुम्भ

फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। बजट बिगड़ेगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। शारीरिक कष्ट से बाधा उत्पन्न होगी। लेन-देन में सावधानी रखें। फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें।

मीन

यात्रा लाभदायक रहेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। शेयर मार्केट से बड़ा लाभ हो सकता है।

15 साल बाद टीवी पर कमबैक कर रहीं पूर्व मंत्री स्मृति ईरानी

बॉलीवुड | गपशप

एक्टर से पॉलिटिशियन बनी स्मृति ईरानी को शो क्योंकि सास भी कभी बहू थी से नेम-फेम मिला था। अब स्मृति ईरानी के 15 साल बाद टीवी पर कमबैक करने को लेकर खबरें आ रही हैं। रिपोर्ट्स हैं कि स्मृति ईरानी को अनुपमा में स्पेशल कैमियो करते हुए देखा जाएगा।

रुपाली गांगुली संग स्मृति ईरानी को स्क्रीन स्पेस शेयर करते हुए देखा जाएगा। दोनों को साथ में देखना फैंस के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं है। हालांकि, शो में स्मृति की एंट्री को लेकर अभी तक ऑफिशियल कंफर्मेशन नहीं हुई है। अनुपमा की बात करें तो शो में हाल ही में 15 साल का लीप आया है। शो में कई नए कैरेक्टर्स को इंट्रोड्यूस किया गया है और वहीं कई पुराने स्टार्स ने शो छोड़ दिया है। रुपाली गांगुली, अरविंद वैद्य और अल्पना बुच अभी भी शो का हिस्सा हैं। मेकर्स शो को एंटरटेनिंग बनाने के लिए हर संभव कोशिश कर रहे हैं। बता दें कि लीप की वजह से कई सारे एक्टर्स ने शो छोड़ दिया। इस लिस्ट में सुधांशू पांडे, मदालसा शर्मा, निधि शाह, निशी सक्सेना, गौरव शर्मा, कुंवर अमर सिंह, और भट्नागर ने शो छोड़ दिया है। शो में अब अलीशा परवीन आध्या के रोल में हैं। अलीशा की शो में लव स्टोरी दिखाई जाएगी। उनके अपोजिट शो में शिवम खजुरिया नजर आएंगे।

गजनी 2 का एलान करेंगे आमिर खान!

भारतीय सिनेमा के सबसे प्रतिष्ठित अभिनेताओं में से एक आमिर खान बॉक्स ऑफिस पर लगातार हिट फिल्में देने के लिए जाने जाते हैं। फिलहाल अभिनेता 2025 में रिलीज होने वाली अपनी आगामी फिल्म सितारे जमीन पर की तैयारी कर रहे हैं। इसके अलावा वह अपनी भविष्य की परियोजनाओं को मजबूत करने के लिए कई फिल्म निर्माताओं के साथ भी बातचीत कर रहे हैं। इन चर्चाओं के बीच उनकी सबसे सफल फिल्मों में से एक गजनी की सीक्वल गजनी 2 को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट जानकर मिस्टर परफेक्शनिस्ट के प्रशंसकों का खुश होना लाजमी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, आमिर खान फिलहाल निर्माता अल्लू अरविंद के साथ गजनी को फ्रेंचाइजी में बदलने के बारे में चर्चा कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार, उन्होंने अल्लू अरविंद, मधु मंटेना और पूरी टीम को गजनी 2 के लिए एक योग्य विषय के साथ आने के लिए कहा है। अगर यह तय हो जाता है तो वह भारतीय सिनेमा की पहली 100 करोड़ रुपये की फिल्म की सीक्वल बनाकर इतिहास रच सकते हैं। रिपोर्ट में आगे कहा गया है, टीम सक्रिय रूप से विचारों पर मंथन कर रही है और आमिर पहले ड्राफ्ट का इंतजार कर रहे हैं। आमिर खान वर्तमान में अपनी अगली फिल्म सितारे जमीन पर में व्यस्त हैं और 2025 में अपनी अगली फिल्म की घोषणा कर सकते हैं। कथित तौर पर सुपरस्टार एक सुपरहीरो फिल्म के लिए निर्देशक लोकेश कनगराज के साथ बातचीत कर रहे हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

भूल भुलैया को कम बजट में करने के लिए मैंने फीस कम ली थी : कार्तिक

कार्तिक आर्यन इन दिनों बैक-टू-बैक फिल्में कर रहे हैं। बीते कुछ समय में वो सबसे ज्यादा फिल्में करने वाले एक्टर के तौर पर उभरे हैं। एक्टर अपनी अपकमिंग फिल्म 'भूल भुलैया 3' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। अक्षय कुमार की फ्रेंचाइजी को टेकओवर करने के बाद अब कार्तिक आर्यन इस फिल्म की तीसरी किश्त में नजर आने वाले हैं। 'भूल भुलैया 3' में कार्तिक, तृप्ति डिमरी, माधुरी दीक्षित और विद्या बालन नजर आएंगे। हाल ही में कार्तिक आर्यन ने अपनी इस अपकमिंग फिल्म और इंडस्ट्री में एक्टर की बढ़ती फीस पर छिड़ी बहस के बारे में बात की। कार्तिक ने बताया, 'हर चीज का एक हिसाब होता है। यह एक बिजनेस मॉडयूल है। अगर चीजें हिसाब-किताब में बैठ रही हैं तो ये सही है।' वो आगे कहते हैं कि अगर सैटेलाइट, डिजिटल और म्यूजिकल राइट्स से मिलने वाले रिटर्न निर्माताओं के लिए फायदेमंद है और अगर दर्शक किसी एक्टर को देखने के लिए उमड़ रहे हैं, तो उनकी फीस जायज है। कार्तिक आर्यन के मुताबिक बॉलीवुड में एक्टर की बढ़ती फीस पर बहस इसलिए ही छिड़ती है क्योंकि लोग ये हिसाब-किताब नहीं समझ पाते हैं। वो बताते हैं, 'क्योंकि लोग ये हिसाब-किताब नहीं कर रहे हैं इसलिए ये बहस हो रही है। हिसाब सही नहीं बैठ रहा है इसलिए लोग नाराज हैं'। वो कहते हैं कि उन्हें उम्मीद है कि उनका हिसाब ठीक बैठा है। वो बताते हैं, 'मेरे निर्माता मुझसे खुश हैं और मैं उम्मीद करता हूं कि मैं उन्हें नाराज नहीं करूंगा'। इस बातचीत के दौरान कार्तिक आर्यन ने बताया कि उन्हें फिल्म 'भूल भुलैया 2' के लिए अपनी फीस कम करनी पड़ी थी, क्योंकि वो फिल्म को कम बजट के अंदर ही रखना चाहते थे। साथ ही एक्टर ने अपनी फ्लॉप फिल्म 'शहजादा' के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि 'शहजादा' में उन्होंने कुछ चीजों पर पैसे लगाए थे। फिल्म बनाते हुए टीम मुश्किलों से गुजर रही थी और वो अपनी फिल्म को हर हाल में बचाना चाहते थे।

भारत में यहां सूर्य उगता है सबसे पहले विश्व मानचित्र पर भी प्रसिद्ध है यह गांव

दुनिया भर में प्रकृति और विज्ञान से जुड़े कई अजूबे मौजूद हैं, जिससे जुड़ी जानकारी के बारे में हमें सामान्य ज्ञान की किताब में मिल जाती है। ये अजूबे हमें हर पल हैरान करते हैं। पृथ्वी की परिधि, सूर्य और चंद्रमा सभी ब्रह्मांड की इस अद्भुत और रहस्यमय दुनिया का हिस्सा हैं। पृथ्वी की परिधि, आकाश और पृथ्वी के बीच की दूरी, समुद्र स्तर और उच्चतम पर्वत चोटियों जैसे कई भूवैज्ञानिक शोध देश और विदेश में किए जाते हैं। चूंकि ये जानकारी हमारे दैनिक जीवन में बहुत महत्वपूर्ण हैं, इसलिए हमें अक्सर सरकारी परीक्षाओं या प्रतियोगी परीक्षाओं में ऐसे प्रश्नों का सामना करना पड़ता है। लेकिन ऐसा ही एक सवाल इस समय इंटरनेट पर वायरल हो रहा है। प्रश्न यह है कि भारत के किस राज्य में सूर्य सबसे पहले उगता है? बहुत से लोगों को इसका उत्तर नहीं पता। क्या आपको सही उत्तर मालूम है? वर्तमान गति तथा दिन-रात के परिवर्तन का वैज्ञानिक कारण हम सभी जानते हैं। लेकिन इस विज्ञान के लिए बहुत से लोग इस बात पर ध्यान नहीं देते कि एक ही देश का हिस्सा होने के बावजूद देश के सभी हिस्सों में सूर्योदय और सूर्यास्त एक ही समय पर नहीं होता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि एक ही देश में होने के बावजूद अरुणाचल प्रदेश भारत का एकमात्र ऐसा राज्य है, जहां पर सूर्योदय बाकी सभी राज्यों से पहले होता है। अरुणाचल प्रदेश के अंजाव जिले के एक गांव डोंग में पहला सूर्योदय देखा जाता है। इस शहर को भारत का जापान कहा जाता है। डोंग अरुणाचल प्रदेश के अंजाव में समुद्र तल से लगभग 1,200 मीटर की ऊंचाई पर नदियों और पहाड़ों से घिरा एक गांव है। यह चीन और म्यांमार बॉर्डर के बीच स्थित है। ब्रह्मपुत्र की सहायक नदी लोहित का संगम, गांव को पर्यटकों के लिए और अधिक आकर्षक बनाता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि इस डोंग गांव में देश के किसी भी अन्य गांव की तुलना में सूरज एक घंटे पहले उगता है। इसी तरह इस गांव में सूरज एक घंटे पहले डूब भी जाता है। यही कारण है कि यह क्षेत्र पर्यटकों को एक अलग आकर्षण देता है। यह विश्व मानचित्र पर भी प्रसिद्ध है।

अजब-गजब | इस चमत्कारिक घटना से भक्त हैं हैरान

मध्य प्रदेश के इस जिले में भयानक आग के बीच मां काली की प्रतिमा रहती है सुरक्षित

मध्य प्रदेश के मैहर जिले में काली विसर्जन के दौरान एक अजब और चमत्कारी घटना ने सबको हैरान कर दिया। रविवार देर रात अमरपाटन में काली माता की प्रतिमा में अचानक आग लग गई, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस घटना में मां काली की मूर्ति को कोई नुकसान नहीं हुआ, जिससे लोग इसे चमत्कार मान रहे हैं।

जब काली माता की प्रतिमा से आग की लपटें उठने लगीं, तो वहां मौजूद भक्तों के बीच अफरा-तफरी मच गई। लोग तुरंत आग बुझाने के प्रयास में जुट गए। पानी की मदद से कुछ देर में आग पर काबू पा लिया गया। सबसे हैरत की बात यह रही कि इतनी भयानक आग के बावजूद माता काली की मूर्ति को कोई नुकसान नहीं हुआ। इस घटना को देखकर सभी भक्त आश्चर्यचकित रह गए। स्थानीय निवासी रामनरेश प्रजापति ने बताया कि अमरपाटन में दशहरा पर्व के अवसर पर काली माता की प्रतिमाओं का भव्य चल समारोह निकाला गया था। इस दौरान भक्त ट्रैक्टर-ट्राली पर विराजित माता की प्रतिमा को विसर्जन के लिए ले जा रहे थे। ट्राली पर माता

की प्रतिमा के साथ पंडा और कुछ छोटे बच्चे भी सवार थे। आगे-आगे भक्त ढोल और डीजे की धुन पर झूमते हुए चल रहे थे, जबकि अन्य श्रद्धालु पैदल चल रहे थे।

आग तब लगी जब यह चल समारोह आजाद चौक के पास पहुंचा। वहां चल रही आतिशबाजी के दौरान अनार नामक फुलझड़ी से निकली चिंगारी माता काली की प्रतिमा के संपर्क में आ गई और तुरंत आग लग गई। प्रतिमा में आग लगने से वहां मौजूद लोगों में घबराहट फैल गई और भक्तों ने तुरंत इसे बुझाने की कोशिश शुरू कर दी। ट्राली पर मौजूद पंडा ने पहले आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। इसके बाद वहां मौजूद अन्य भक्तों ने पानी डालकर आग को काबू में किया। इस दौरान चल समारोह में थोड़ी देर के लिए रुकावट आई, लेकिन भगवान की कृपा से माता की प्रतिमा को कोई नुकसान नहीं हुआ और चल समारोह फिर से शुरू हो गया।

इस घटना के बाद स्थानीय लोगों और भक्तों ने इसे चमत्कारिक घटना करार दिया। उनका मानना है कि यह मां काली की महिमा का ही परिणाम है कि इतनी भयंकर आग के बावजूद प्रतिमा पूरी तरह सुरक्षित रही। कुछ लोगों ने कहा कि यदि आग की लपटें और फैल जातीं, तो आसपास की दुकानें भी इसकी चपेट में आ सकती थीं। लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ, जिससे लोग इसे देवी का चमत्कार मान रहे हैं।

सोशल मीडिया पर इस घटना का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में लोग मां काली की प्रतिमा को सुरक्षित देखकर अपनी आस्था और विश्वास व्यक्त कर रहे हैं। भक्तों का मानना है कि इस घटना से उनकी आस्था और भी मजबूत हो गई है। माता काली की इस चमत्कारिक घटना ने हर किसी के दिल में देवी के प्रति गहरी श्रद्धा उत्पन्न कर दी है।

प्रियंका का वायनाड से संसद पहुंचना तय !

» कांग्रेस ने दिया टिकट गांधी परिवार दक्षिण से शुरू करेगा चुनावी पारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रियंका गांधी केरल की वायनाड लोकसभा सीट से संसद पहुंचना तय हो गया। वह वहां से चुनाव लड़ेंगी। कांग्रेस पार्टी ने प्रियंका को प्रत्याशी बनाने की औपचारिक घोषणा कर दी है। पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल ने प्रियंका को प्रत्याशी बनाए जाने का एलान किया। बता दें कि प्रियंका खुद भी वायनाड से पार्टी का प्रतिनिधित्व करने को लेकर हामी भर चुकी हैं। विगत जून महीने में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष खरगे की घोषणा के बाद प्रियंका ने कहा था कि यहां से चुनाव लड़ना उनका सौभाग्य होगा। गांधी परिवार की पहली सदस्य के रूप में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी दक्षिण से अपनी सियासी कॅरियर की शुरुआत करने जा रही हैं।

वह सदन पहुंची तो यूपी के जुझारूपन की झलक दक्षिण में भी देखने को मिलेगी। हालांकि पार्टी के तमाम नेता इस बात से उत्साहित हैं कि वह सदन में महिलाओं की आवाज बुलंद करेंगी। गांधी परिवार के ज्यादातर सदस्यों ने उत्तर प्रदेश से सियासी करियर की शुरुआत की। प्रियंका गांधी भी उत्तर प्रदेश आईं और प्रभारी के तौर पर चुनाव लड़ाया। इस दौरान वह विभिन्न घटनाओं में मौके पर पहुंची। कहीं महिलाओं को पुचकारा तो कहीं उनकी आवाज बनकर खड़ी नजर आईं, लेकिन सियासी फलक पर करिश्मा नहीं दिखा पाईं। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के राज्यसभा जाने के बाद उम्मीद थी कि प्रियंका गांधी रायबरेली से उम्मीदवार बनेंगी, लेकिन यहां से राहुल गांधी सदन पहुंचे। राहुल गांधी ने वायनाड सीट छोड़ी तो अब वहां से प्रियंका गांधी उम्मीदवार हैं। गांधी परिवार के ज्यादातर सदस्यों ने उत्तर प्रदेश से सियासी पारी की शुरुआत की। प्रियंका गांधी जब भी उत्तर प्रदेश रहीं, वह अपने परदादा जवाहर लाल नेहरू और दादी इंदिरा गांधी से लेकर पिता राजीव गांधी, मां सोनिया गांधी के कार्यों को गिनाती रही हैं। पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान उन्होंने रायबरेली में मोती लाल नेहरू द्वारा किए गए आंदोलन को भी बयां किया। मोतीलाल नेहरू और जवाहर लाल नेहरू द्वारा किए गए आंदोलन के बहाने उन्होंने आम जनता को गांधी परिवार से जोड़ा और राहुल गांधी लोकसभा पहुंचने में कामयाब रहे। अब प्रियंका गांधी वायनाड से सियासी मैदान में हैं।

पहले यूपी से चुने गए सारे बड़े दिग्गज

कांग्रेस की दिल्ली जोड़ो यात्रा अब दिवाली बाद

विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी प्रदेश कांग्रेस ने दिल्ली जोड़ो यात्रा को दिवाली के बाद शुरू करने का फैसला लिया है। पहले यह यात्रा 23 अक्तूबर से शुरू होनी थी, लेकिन अब इसे स्थगित कर दिया गया है। यात्रा का उद्देश्य दिल्ली के लोगों से सीधा संवाद स्थापित करना, उनकी समस्याओं को समझना और आगामी चुनाव के लिए कांग्रेस की रणनीति को मजबूत करना है। प्रदेश कांग्रेस ने यह निर्णय दिवाली के दौरान लोगों की व्यस्तता और बाजारों में अत्यधिक भीड़ को ध्यान में रखते हुए लिया है। कांग्रेस को उम्मीद है कि दिवाली के बाद जब लोग फिर से सामान्य जीवन में लौटेंगे, तब यात्रा का प्रभाव ज्यादा रहेगा और अधिक से अधिक लोग इसका हिस्सा बन सकेंगे। कांग्रेस की ओर से जल्द ही यात्रा का कार्यक्रम घोषित किया जाएगा। दूसरी ओर बताया जा रहा है कि दिवाली के समय दिल्ली पुलिस भी यात्रा के लिए स्वीकृति देने में आनाकानी कर रही थी। त्योहारों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस के पास पहले से ही अत्यधिक दबाव होता है, इसलिए वह इस समय किसी नई सार्वजनिक यात्रा के आयोजन की स्वीकृति देने में असमर्थ दिख रही थी। हालांकि, प्रदेश कांग्रेस ने दिल्ली पुलिस से यात्रा की स्वीकृति के लिए अभी तक कोई औपचारिक आवेदन नहीं किया है।

यूपी से दूर नहीं होंगी प्रियंका : अजय राय

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय कहते हैं प्रियंका गांधी ने कभी भी खुद को उत्तर प्रदेश से अलग नहीं रखा है। ऐसे में वह कहीं से भी सदन में पहुंचे, लेकिन उत्तर प्रदेश की आवाज बुलंद करती रहेंगी। पार्टी के संगठन महासचिव अनिल यादव तर्क देते हैं कि प्रियंका गांधी के सदन में पहुंचने से महिलाओं की आवाज देश के सर्वोच्च सदन में पहुंच सकेगी। उत्तर प्रदेश की हर अप्रिय घटना को लेकर प्रियंका गांधी ने निरंतर विरोध जताया है। लोकसभा में पहुंच कर यह विरोध धमाकेदार तरीके से कर सकेंगी।

नगर निगम ने अभियान चलाकर हटाया अतिक्रमण

» लालबाग, हजरतगंज, 5-केडी मार्ग और दैनिक जागरण चौराहे से कई ट्रक सामान जब्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम ने महापौर व नगर आयुक्त के निर्देशन अतिक्रमण अभियान चलाया। जोन 1के अंतर्गत लालबाग हजरतगंज ,दैनिक जागरण चौराहा, 5 कालीदास मार्ग, कैथेड्रल स्कूल ,नावेल्टी चौराहा आदि क्षेत्रों में अवैध अतिक्रमण अभियान चला। इस अभियान में पुलिस बल व प्रवर्तन दल की 296 टीमे शामिल हुईं। अभियान से पूर्व अतिक्रमण कर्ताओं को सूचित भी किया गया।

जिससे लोग खुद अपना सामान हटा लें जाएं। नगर निगम ने तीन ट्रक समान जब्त किया। मौके पर इनपेक्टर हजरतगंज विक्रम सिंह, लालबाग चौकी इंचार्ज प्रदीप, जोनल अधिकारी जोन 1अमरजीत सिंह, टैक्स सुप्रीटेंडेंट ओम प्रकाश, इंस्पेक्टर आलोक सिंह राजा मौजूद रहे।

सुरक्षा के कड़े इंतजामों के बीच विसर्जन शोभा यात्रा हुई शुरू

» किसी भी प्रकार की धार्मिक अफवाहों से बचें : सीओ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दोस्तपुर। कस्बे के दुर्गा पूजा पंडालों से मां की प्रतिमाएं पूजन के उपरांत विसर्जन शोभा यात्रा के लिए वाहनों पे तैयार रथों पर सवार हो चुकी हैं। 24 घण्टे से अधिक समय तक चलने वाले इस भव्य विसर्जन शोभा यात्रा के लिए प्रशासन भी लगातार मैराथन बैठकें कर रहा है और सुरक्षा के भारी इंतजाम भी जुटाए जा रहे हैं। इसी क्रम मे किसी भी चूक से बचने के लिए थाना दोस्तपुर परिसर में उपजिलाधिकारी उत्तम तिवारी व क्षेत्राधिकारी विनय गौतम के द्वारा सभी समितियों एवं विभिन्न धर्मों के सम्भ्रान्त व्यक्तियों की मीटिंग की गयी।

सीओ ने कहा किसी भी प्रकार की धार्मिक अफवाहों से बचें साथ ही उनके द्वारा त्यौहारों को शान्ति व सद्भावना के साथ मनानें की अपील भी की गयी। एसडीएम द्वारा शासन/प्रशासन के उच्चाधिकारियों से प्राप्त आदेशों तथा निर्देशों से भी अवगत कराया गया और मिल-जुल कर रहनें तथा समाज में सौहार्द बनाये रखनें की अपील की गयी। एसडीएम ने कस्बे को चार जोन में बांट दिया और प्रत्येक जोन में अधिकारियों को अलग-अलग जिम्मेदारियां दी गयी हैं।

विसर्जन के दौरान पूरी ईमानदारी से निभाएं अपनी जिम्मेदारीः एसडीएम

तहसीलदार, नायब तहसीलदार, कानूनगो, लेखपाल सभी की तैनाती की गयी है। माहतहतों से एसडीएम ने कहा पूरे विसर्जन पूरी ईमानदारी से अपनी जिम्मेदारी निभाइये, ड्यूटी में किसी प्रकार की लापरवाही करने वाले के खिलाफ भी कार्यवाही की जाएगी। विपरीत स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन ने एक जेसीबी और ट्रेक्टर को भी स्टैंड बाई मोड में रखा है। बैठक में प्रतिमा विसर्जन के पारम्परिक मार्ग को लेकर भी चर्चा हुई और मार्ग में कुछ परिवर्तन करने का प्रस्ताव भी रखा गया जिस पर समितियों की सहमति नहीं बन पायी। केंद्रीय दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष विवेक तिवारी ने बताया इस बार विसर्जन में रथों की नंबरिंग के भी इंतजाम किये हैं।

इंग्लैंड को हराकर अंतिम-4 में पहुंची वेस्टइंडीज

» महिला टी-20 विश्वकप वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड को छह विकेट से हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। विमंस टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के 20वें मुकाबले में वेस्टइंडीज महिला क्रिकेट टीम का सामना इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम से हुआ। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मैच में वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड को 6 विकेट से हराया। इसके साथ ही इंग्लैंड का सेमीफाइनल खेलने का सपना टूट गया। ग्रुप बी में इंग्लैंड, साउथ अफ्रीका और वेस्टइंडीज के 6-6 पॉइंट हैं।

हालांकि, बेहतर नेट रन रेट के कारण वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका ने सेमीफाइनल में एंट्री ली। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 141 रन बनाए। नेट साइवर-ब्रंट ने नाबाद 57 रन की पारी खेली। उनके अलावा कप्तान हीथर नाइट ने 21 रन और डेनिएल व्याट-हॉज ने 16 रन बनाए। अफ्ली फ्लेचर ने सबसे ज्यादा 3 विकेट अपने नाम किए। जवाब में वेस्टइंडीज ने 18 ओवर में ही टारगेट चेज कर लिया। कप्तान हेली मैथ्यूज और कियाना जोसेफ ने फिफ्टी जड़ी। हेली ने 38 गेंदों पर 50 रन बनाए। वहीं जोसेफ ने 38 गेंदों पर 52 रन की पारी खेली। इंग्लैंड की ओर से नेट साइवर-ब्रंट, सोफी एक्लेस्टोन और सारा ग्लेन ने 1-1 विकेट अपने नाम किया।

18 ओवर में टारगेट किया चेज

4 टीमें सेमीफाइनल में पहुंचीं

इस जीत के साथ ही वेस्टइंडीज टीम सेमीफाइनल में पहुंच गई है। विंडीज टीम के अलावा ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड ने भी अंतिम 4 में जगह बनाई है। पहले सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया का सामना साउथ अफ्रीका से होगा। यह मैच 17 अक्टूबर को दुबई में खेला जाएगा। पहला सेमीफाइनलः ऑस्ट्रेलिया बनाम साउथ अफ्रीका- 17 अक्टूबर, दूसरा सेमीफाइनलः वेस्टइंडीज बनाम न्यूजीलैंड- 18 अक्टूबर,फाइनल मुकाबला : 20 अक्टूबर, दुबई अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम।

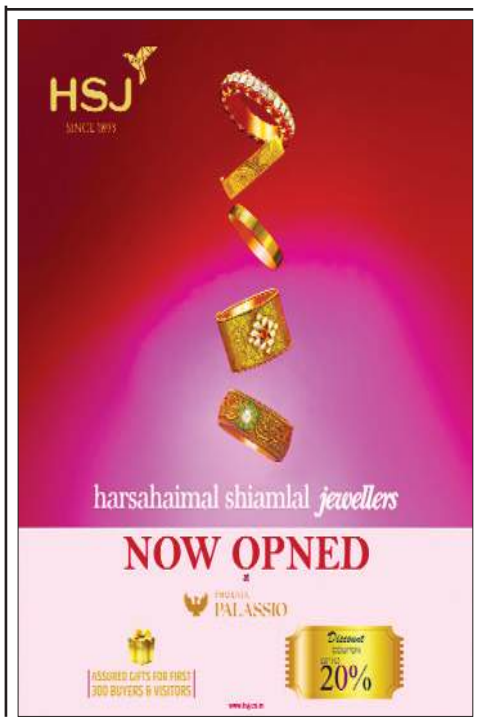

अब्दुल्ला ने संभाली जम्मू-कश्मीर की कमान

सीएम पद की ली शपथ, कांग्रेस कैबिनेट में नहीं हुई शामिल, इंडिया गठबंधन के कई दिग्गज बने शपथग्रहण के गवाह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अनुच्छेद-370 के निरस्तीकरण के बाद जम्मू-कश्मीर को अब नई सरकार मिल गई है। उमर अब्दुल्ला केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के पहले मुख्यमंत्री बने हैं। उन्हें राज्य उपराज्यपाल मनोज सिंहा ने सीएम पद की शपथ दिलाई। इस समारोह में इंडिया गठबंधन के कई दिग्गज शामिल हुए। दिग्गजों में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, अध्यक्ष कांग्रेस मल्लिकार्जुन खरगे व महासचिव प्रियंका गांधी मौजूद रहीं। उधर इस शपथ समारोह में कांग्रेस से कोई मंत्री नही बना। वंही सीएम बनने के बाद सभी ने उमर अब्दुल्ला को बधाई दी ।

उमर अब्दुल्ला की कैबिनेट में पांच नेता शामिल होने वाले हैं। इनके नाम सामने आ गए हैं-जावेद डार- रफियाबाद, सकीना इट्टू- डीएच पोरा, जावेद राणा- मेंढर, सुरेंद्र चौधरी- नौशेरा और सतीश शर्मा- छंब।

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री के रूप में उमर अब्दुल्ला के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी व महासचिव प्रियंका गांधी श्रीनगर पहुंच गए हैं।

एकता ही इंडिया है: अखिलेश यादव

जम्मू-कश्मीर में उमर अब्दुल्ला के शपथ ग्रहण समारोह में समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव भी पहुंचे हैं। उन्होंने फारूक अब्दुल्ला और उमर अब्दुल्ला के साथ तस्वीर शेयर कर सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा- एकता ही 'इंडिया' है! नेता डी. राजा ने जम्मू-कश्मीर के मनोनीत मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के शपथ ग्रहण समारोह पर कहा, मैं अपनी पार्टी की ओर से उन्हें मुख्यमंत्री के रूप में सफल शुरुआत के लिए शुभकामनाएं देता हूं। जम्मू-कश्मीर के अधिकारों को बहाल करना जम्मू-कश्मीर के लिए एक नई शुरुआत होगी।

उमर ने शेख अब्दुल्ला को दी श्रद्धांजलि

जम्मू-कश्मीर के मनोनीत मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को अपने शपथ ग्रहण समारोह से पहले नेशनल कॉन्फ्रेंस के संस्थापक शेख मुहम्मद अब्दुल्ला के स्मारक पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। पठानी सूट और कोट पहने 54 वर्षीय अब्दुल्ला ने पार्टी संस्थापक के स्मारक पर फूल चढ़ाए। उमर अब्दुल्ला हजरतबल दरगाह पर पहुंचे। उन्होंने जम्मू-कश्मीर की शांति और समृद्धि के लिए प्रार्थना की।

कैबिनेट में शामिल न होना कांग्रेस का अपना फैसला : बशीर

कांग्रेस ने ऐलान किया है कि वह जम्मू कश्मीर की नेशनल कांफ्रेंस सरकार में शामिल नहीं होगी बल्कि बाहर से सपोर्ट करेगी। कांग्रेस के इस फैसले पर शेख बशीर ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह कांग्रेस का फैसला है तो कांग्रेस ही बताएगी ऐसा क्यों है। गठबंधन में हमने काफी अच्छी लड़ाई लड़ी और अब यह उनका फैसला है कि बाहर रहना है या अंदर, वहीं, उमर अब्दुल्ला के शपथ लेने पर शेख बशीर ने कहा कि उमर अब्दुल्ला जी ने कहा है कि हम सबको साथ लेकर चलेंगे।

दिल्ली में प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट नाराज

» हरियाणा और पंजाब सरकार को फटकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली एनसीआर में प्रदूषण के मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जाहिर करते हुए पंजाब और हरियाणा को फटकार लगाई है। अदालत ने कहा कि आयोग का कोई भी सदस्य वायु प्रदूषण के मामलों से निपटने के लिए योग्य नहीं हैं। अदालत के आदेश का पालन नहीं किया गया। कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ अभी तक एक भी मुकदमा नहीं चलाया गया।सब कुछ सिर्फ़ कागज़ों पर है।

हरियाणा सरकार से सुप्रीम कोर्ट ने कहा? हम बहुत साफ-साफ बता रहे हैं कि आपको 1 सप्ताह का समय देंगे। अगर इसका पालन नहीं किया गया तो हम मुख्य सचिव के खिलाफ अवमानना का मामला दर्ज करेंगे। आप लोगों पर मुकदमा चलाने से क्यों कतराते हैं। आप सिर्फ़ नाममात्र का जुर्माना ले रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट से हरियाणा के वकील ने कहा कि हमने इस साल करीब 17 एफआईआर दर्ज की हैं।

किसानों को ट्रैक्टर सुनिश्चित करने के लिए आपने केंद्र सरकार को एक भी प्रस्ताव दिया है हमें दिखाइए? इसका स्पष्ट उत्तर दीजिए, क्या आपने किसानों के लिए फंड की जरूरत के किसी पहलू का उल्लेख किया है?पंजाब सरकार के वकील ने कहा नहीं क्या इस आचरण को सद्भावनापूर्ण कहा जा सकता है? पिछली बार आपने घोषणा की थी कि केंद्र सरकार सुनवाई नहीं कर रही है? आज हम देखते हैं कि ट्रैक्टर और डीजल के लिए एक भी प्रस्ताव नहीं दिया गया है? वकील - हम आज ही केंद्र को प्रस्ताव देंगे।

फोटो:4 पीएम

धरना राजधानी लखनऊ में डिप्टी सीएम बृजेश पाठक के आवास के बाहर एंबुलेंस कर्मियों ने प्रदर्शन किया। इसके साथ ही प्रदर्शनकारियों ने डिप्टी सीएम पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए भूख हड़ताल शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने न्याय दो न्याय दो के नारे लगाए। हालांकि प्रदर्शन की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। सभी प्रदर्शनकारियों को ईको गार्डन भेजा। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि 2021 में नौ हजार कर्मचारियों को निजी कंपनी GVKERI ने नौकरी से निकाल दिया था।

मुंबई-दिल्ली इंडिगो विमान की अहमदाबाद में इमरजेंसी लैंडिग

» बम होने की मिली धमकी निकली अफवाह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। मुंबई से दिल्ली जा रहे इंडिगो के एक विमान को बम की धमकी मिलने पर अहमदाबाद की तरफ डायवर्ट कर दिया गया। एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि विमान में बम होने की धमकी एक अफवाह थी। इसके बाद मंगलवार की रात को विमान मुंबई एयरपोर्ट पर पहुंचा।

बता दें कि विमान में करीब 200 यात्री और चालक दल के सदस्य सवार थे। अधिकारी ने बताया कि एक अज्ञात व्यक्ति ने ट्वीट के जरिए विमान में बम होने का दावा किया था। मुंबई एटीसी द्वारा सतर्क किए जाने के बाद पायलट ने अहमदाबाद एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराने का फैसला किया।

दरअसल, दिल्ली के लिए उड़ान भरने के रास्ते में अहमदाबाद ही सबसे निकटतम एयरपोर्ट था। एक अधिकारी ने कहा, आधी रात को यहां लैंडिंग के बाद, करीब 200 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को ले जाने वाले विमान की रात भर सुरक्षा बलों ने जांच की। इस दौरान उन्हें कुछ भी नहीं मिला। मंगलवार की सुबह आठ बजे विमान दिल्ली के लिए रवाना हुआ।

हरियाणा में आज चुना जाएगा भाजपा विधायक दल का नेता

अमित शाह की मौजूदगी में पंचकूला में होगी बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। हरियाणा की नई सरकार के गठन की तैयारियां आज भाजपा विधायक दल की बैठक से शुरू हो जाएगी। भाजपा के पर्यवेक्षक केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव की मौजूदगी में पार्टी के विधायक पंचकूला स्थित पार्टी दफ्तर में अपने नेता का चुनाव करेंगे।

विधायक दल का नेता चुनने से पहले सभी विधायक शाह और यादव के साथ ब्रेक फास्ट करेंगे। उसके बाद विधायक दल के नेता चुनने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। भाजपा ने अपने सभी 48 विधायकों को अगले दो दिन चंडीगढ़ में ही रहने के निर्देश जारी किए हैं। भाजपा नेताओं ने बताया, कि करीब दस बजे विधायक दल की बैठक होगी। बैठक में शामिल होने नायब सैनी और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मोहनलाल बढ़ौली बीजेपी कार्यालय पहुंच गए हैं। हालांकि नायब सिंह सैनी के नाम को लेकर कोई शक नहीं है। भाजपा ने उनके नेतृत्व में ही चुनाव लड़ा था। यहां तक कि अमित शाह ने चुनाव से पहले पंचकूला में कार्यकर्ताओं की बैठक एलान किया था कि भाजपा की सरकार बनने पर नायब सिंह सैनी ही राज्य के मुख्यमंत्री होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी अपनी रैलियों में नायब सिंह सैनी को ही अगले मुख्यमंत्री के तौर पर पेश करते आए हैं। एतिहासिक जीत के बाद पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की नजरों में नायब सिंह सैनी का कद भी बढ़ा है। ऐसे में उनके नाम को लेकर कोई संशय नहीं है। होडल से भाजपा विधायक हरिंदर सिंह ने कहा कि पार्टी जो भी फैसला लेगी, हम उसके साथ हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।